राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 01 अप्रैल 2026
वर्ष 14, अंक 339, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का भव्य आगाज़...03

'नहीं दूंगा, जो करना है कर लो', सिलेंडर मांगने पर एजेंसी मैनेजर ने युवक के साथ की हाथापाई, दर्ज हुई शिकायत...04

बिहार विधानसभा की 19 समितियां गठित, राज्यसभा चुनाव में अनुपस्थित रहने वाले 2 विधायक बने अलग-अलग कमेटी के चेयरमैन

बिहार विधानसभा की 19 समितियों का गठन कर दिया गया है. विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार की मंजूरी के बाद समितियों के चेयरमैन और सदस्यों की सूची जारी कर दी गई है. बड़ी बात यह है कि राज्यसभा चुनाव के वक्त अनुपस्थित रहने वाले कांग्रेस विधायक मनोहर प्रसाद सिंह और राजद विधायक फैसल रहमान को इनमें दो अहम समितियों का चेयरमैन बनाया गया है. इसके अलावा मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह और विधायक धूमल सिंह को बड़ी जिम्मेदारी मिली है. बिहार विधानसभा की 19 समितियों में नियम समिति के चेयरमैन, बिहार विधानसभा के ही अध्यक्ष प्रेम कुमार हैं. इस समिति में सदस्य के रूप में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिंह के अलावा जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी हैं. सामान्य प्रयोजन समिति के भी चेयरमैन प्रेम कुमार हैं. इनमें भी सदस्य के रूप में सम्राट चौधरी विजय कुमार सिन्हा और विजय कुमार चौधरी शामिल हैं.

कांग्रेस विधायक मनोहर सिंह को ये जिम्मेदारी

राज्यसभा चुनाव के वक्त अनुपस्थित रहने वाले कांग्रेस विधायक मनोहर प्रसाद सिंह को प्रत्यायुक्त विधानसभा समिति का चेयरमैन बनाया गया है. इसमें सदस्य

के रूप में मुरारी मोहन झा और आबिद उर रहमान शामिल हैं. वहीं राजद के विधायक और राज्यसभा चुनाव में अनुपस्थित रहने वाले फैसल रहमान को गैर सरकारी विधायक एवं संकल्प समिति का चेयरमैन बनाया गया है. इसमें सुरेंद्र राम और अजय कुमार सदस्य के रूप में शामिल किए गए हैं. पुस्तकालय समिति का चेयरमैन केंद्रीय मंत्री और हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी की समधिन ज्योति देवी को बनाया गया है. इसमें सदस्य के रूप में वीरेंद्र सिंह और शंभू नाथ यादव हैं. वहीं एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरूल ईमान को अल्पसंख्यक कल्याण समिति का चेयरमैन बनाया गया है. इनमें तौसीफ आलम और मुर्शीद आलम को सदस्य बनाया गया है.

अवधेश सिंह पर्यावरण संरक्षण समिति के चेयरमैन

यह दोनों एआईएमआईएम के विधायक हैं. पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति का चेयरमैन अवधेश सिंह को बनाया गया है. बड़ी बात यह है कि मोकामा से जदयू विधायक अनंत कुमार सिंह इस समिति के सदस्य बनाए गए हैं. जबकि पर्यटन उद्योग समिति का चेयरमैन मनोरंजन सिंह और उर्फ धूमल सिंह को बनाया गया है. पूर्व मंत्री सुनील कुमार पिंटू इस समिति के सदस्य हैं. दूसरे सदस्य अनिल सिंह है.शून्य काल समिति का चेयरमैन राष्ट्रीय लोक मोर्चा के विधायक माधव आनंद को बनाया गया है. इस समिति के अन्य सदस्यों में ललित नारायण मंडल, बैद्यनाथ प्रसाद और आलोक कुमार सिंह हैं. पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी को बिहार विरासत विकास समिति का चेयरमैन बनाया गया है. इस समिति के अन्य सदस्यों में शीला कुमारी और सर्वजीत हैं. कारा सुधार समिति का चेयरमैन निशा सिंह को बनाया गया है.

जनक सिंह बनाए गए याचिका समिति के चेयरमैन

इस समिति के अन्य सदस्य लालबाबू प्रसाद गुप्ता और प्रमोद कुमार सिंह हैं. वहीं याचिका समिति के चेयरमैन जनक सिंह बनाए गए हैं. इस समिति में रामानंद यादव सुनील कुमार और रत्नेश सदा को शामिल किया गया है. राजकीय आश्वासन समिति के चेयरमैन दामोदर रावत बनाए गए हैं. इसमें करनजीत सिंह और राम सिंह सदस्य के रूप में शामिल किए गए हैं. जदयू विधायक अमरेंद्र कुमार पांडे को प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति का चेयरमैन बनाया गया है. इस समिति के अन्य सदस्यों में विजय कुमार मंडल और कमरुल होदा हैं. जिला परिषद एवं पंचायती राज समिति के चेयरमैन शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल बनाए गए हैं. इसमें कुमार शैलेंद्र और रणधीर कुमार सोनी सदस्य हैं. एससी-एसटी कल्याण समिति का चेयरमैन संतोष कुमार निराला को बनाया गया है. ललन राम और अनिल कुमार इसके सदस्य हैं. सिद्धार्थ सौरव को निवेदन समिति का चेयरमैन बनाया गया है. कृष्ण कुमार मंटू और सुधांशु शेखर इसके सदस्य हैं. जबकि महिला एवं बाल विकास समिति का चेयरमैन अश्वमेघ देवी को बनाया गया है. आचार समिति का चेयरमैन संजीव चौरसिया को मनाया गया है.

गुजरात को 20,000 करोड़ का तोहफा PM मोदी ने भरी विकास की हुंकार, कांग्रेस को घेरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात को 20 हजार करोड़ रुपये की सौगात दी है. उन्होंने मंगलवार को राज्य में कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उनका उद्घाटन किया. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को जमकर घेरा. एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से इस पूरे इलाके की तस्वीर बदलेगी. ये प्रोजेक्ट यहां के जीवन को एक नई गति देगी. वाव-थराद और बनासकांठा के इस क्षेस मेरा काफी लगाव रहा है. मैंने मिशन मोड में किया. जितना हो सके, उतना गुजरात को हमने आगे बढ़ाया. पीएम मोदी ने कहा कि आज मेरा मन एक और बात से प्रसन्न है. जब मैं यहां आया तो पहली बार मेरा विमान सीधे डीसा एयरबेस पर लैंड हुआ. डीसा का एयरबेस अंतरराष्ट्रीय सीमा से केवल 130 किमी दूरी पर है. आप समझ सकते हैं कि ये देश की सुरक्षा के लिए भी कितना अहम है लेकिन डीसा एयरबेस का काम आज से प्रारंभ नहीं हुआ. जब मैं मुख्यमंत्री था तब से मैंने जमीनें एक्वायर की और हम चाहते थे कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भारत की पश्चिम सीमा की सुरक्षा के लिए ये डीसा अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है. मगर पता नहीं, दिल्ली में उस समय जो लोग राज करते थे, उन्हें गुजरात के प्रति क्या नफरत थी. राष्ट्र की सुरक्षा का ये प्रोजेक्ट भी सालों तक फाइलों में

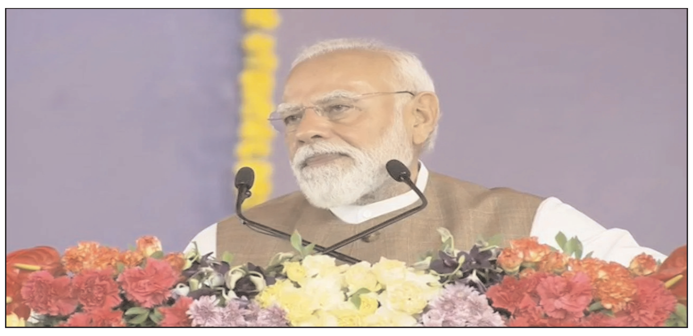

दबा रहा. आपने जब मुझे दिल्ली भेजा तो मैंने उन फाइलों को बाहर निकाला और आज उसका परिणाम है कि एयरफोर्स का एक बहुत बड़ा बेस अब डीसा से जुड़ गया है.

'कांग्रेस को गुजरात से नफरत, देश रहे सावधान'

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस देश को बांटने में लगी है. विकास का सिलसिला डबल ताकत से लगी है. कांग्रेस सरकारों को गुजरात से नफरत थी. देश को कांग्रेस से सावधान रहना चाहिए. वैश्विक संकट में भी विपक्ष राजनीति कर रहा है. गिद्धों की तरह कांग्रेस इंतजार कर रही है. हमने पूरे गुजरात में, गांव गांव को अच्छी सड़कों से जोड़ा. हाई स्पीड हाइवेज बनाए. वंदे भारत जैसे हाई स्पीड ट्रेनों की सुविधा भी गुजरात को मिल रही है.प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि मुझे आज यहां दशकों पुराना हाल भी याद रहा है. वो दिन कोई नहीं भूल सकता, जब उत्तर गुजरात का नाम आते ही लोगों के मन में एक अलग ही तस्वीर बनती थी. सूखा, अकाल आदि को कौन भूल सकता है. सघर्ष से भरा ये जीवन, और कांग्रेस सरकार द्वारा हमारी निरंतर उपेक्षा... कौन भूल सकता है वो दिन. जब कई कई किमी दूर से पानी लाना पड़ता था.

गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी में बनेगा दुनिया का बहुत बड़ा केंद्र

उन्होंने कहा कि साल 2010 में यानी, आज से 15-16 साल पहले मैंने मुख्यमंत्री रहते हुए सारंगपुर में देश का पहला सोलर पार्क का काम शुरू करवाया था. ये अपने में एक मल्टी टेक्नोलॉजी पार्क है, जिसने सोलर एनर्जी का मूवमेंट शुरू किया. आज गुजरात में जिस प्रकार सोलर एनर्जी का काम हो रहा है. जैसे आज ही खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क से जुड़ी परियोजनाएं शुरू हुई हैं. वो दिन दूर नहीं, जब गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी में दुनिया का बहुत बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा.

संक्षिप्त ख़बरें

बाराबंकी हत्याकांडः पीड़ित परिवार से मिले मंत्री OP Rajbhar, कहा- कानून का राज है, अपराधी बचेगा नहीं; आइसक्रीम विक्रेता की गला काटकर हुई थी हत्या

बाराबंकी जिले में हुए चर्चित हत्याकांड के बाद मंगलवार को प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर पीड़ित बबलू राजभर के घर पहुंचे। उन्होंने करीब एक घंटे तक परिवार के साथ समय बिताया, शोक संवेदना व्यक्त की और मामले में कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया। उनके पहुंचने से परिजनों को कुछ सहारा मिला और न्याय की उम्मीद जगी। मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अधिकारियों से मामले की गंभीरता से जांच कराने और दोषी को सख्त सजा दिलाने की बात कही। इस दौरान स्थानीय लोग और समर्थक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया

गौरतलब है कि शनिवार को दरियाबाद थाना क्षेत्र के पारा बेहटा गांव निवासी बबलू राजभर की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया था। रविवार को पोस्टमार्टम के दौरान सामने आए घटनाक्रम और परिजनों के आरोपों के बाद मामले ने और तूल पकड़ लिया, जिससे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि बबलू राजभर अपने परिवार का मुख्य सहारा था और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत के बाद पत्नी और छोटे-छोटे बच्चों के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि वह पीड़ित परिवार से मिलने और शोक संवेदना व्यक्त करने के साथ-साथ मामले में हो रही कार्रवाई की जानकारी लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज है और कोई भी अपराधी बच नहीं सकता।

श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को की थी मुलाकात

बता दें कि इससे पहले सोमवार को प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे और आर्थिक सहायता व सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था। लगातार जनप्रतिनिधियों के पहुंचने से मामला सुर्खियों में बना हुआ है। जबकि पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है।

क्राइम कंट्रोल का बड़ा अभियान, पंजाब पुलिस को मिले 508 आपातकालीन वाहन, डायल 112 भी लॉन्च

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पंजाब में भगवंत मान की सरकार ने अपराध पर नियंत्रण के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है. भगवंत मान आज धुरी (संगरूर जिला) और नांगल (रूपनगर) के दौरे पर थे. यहां उन्होंने अनेक विकास परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाई. पंजाब सरकार ने 'डायल 112' परियोजना के तहत पंजाब में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है. मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संगरूर से 508 आपातकालीन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

वाहनों में कई आधुनिक उपकरण

मान सरकार का कहना है कि इन वाहनों को पंजाब के सभी जिलों में तैनात किया जाएगा. आपातकालीन स्थिति में 112 डायल करने पर ये आपातकालीन वाहन तुरंत सहायता के लिए पहुंचेंगे. सभी वाहनों में मोबाइल डेटा टर्मिनल और स्मार्टफोन लगे होंगे. इसके साथ ही डैश कैमरा, वायरलेस सिस्टम और जीपीएस ट्रैकर के अलावा इन वाहनों में कई अन्य आधुनिक तकनीकें भी लगाई गई हैं. ध्वजारोहण

समारोह के बाद, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब की जनता को संबोधित किया और सरकार की उपलब्धियों का ब्योरा दिया.

23 करोड़ की लागत से एक 'उत्कृष्टता केंद्र'

नांगल में उन्होंने कारगिल युद्ध में शहीद हुए कप्तान अमोल कालिया के नाम पर 23 करोड़ रुपये की लागत से एक 'उत्कृष्टता केंद्र' स्थापित किया. यहां 540 युवाओं को उद्योग की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किए गए पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण दिया जाएगा. इस केंद्र में रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी, सौर ऊर्जा और 3डी प्रिंटिंग सहित उच्च तकनीक के पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे. इसके साथ ही, नागरिक उड्डयन, एयर होस्टेसिंग और ड्रोन प्रौद्योगिकी के पाठ्यक्रम अब सरकारी आईटीआई में सीधे उपलब्ध कराए जाएंगे.

नांगल झील के लिए आकर्षक प्लान

नांगल झील को आकर्षक बनाया जाएगा और इसे एक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित किया जाएगा. उत्तर भारत का पहला कांच का पुल यहां 10 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा. इसके साथ ही, डॉ. भीम राव अंबेडकर स्कूल ऑफ एमिनेंस में 18 करोड़ रुपये की लागत से एक सभागार और एक नया शैक्षणिक भवन बनाया जाएगा.

बंगाल में फॉर्म 6 पर BJP-TMC कार्यकर्ता भिड़े, चुनाव आयोग दफ्तर के बाहर झड़प

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बंगाल में विधानसभा चुनाव की जंग के बीच बीजेपी और टीएमसी के बीच तनाव भी चरम पर है. इसकी बानगी आज चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर भी देखने को मिली. फॉर्म 6 को लेकर दोनों दलों के बीच झड़प हुई. नौबत हाथापाई तक पहुंच गई. बीजेपी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उनके साथ मारपीट की गई. वहीं टीएमसी समर्थकों का दावा है कि उनके साथ धक्का-मुक्की की गई. स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की गई है. आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं. इस पूरे मामले में बीजेपी का दावा है कि टीएमसी कार्यकर्ता प्रतिबंधित क्षेत्र में घुस गए थे. टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का दावा है कि सिर पर तिलक लगाए एक व्यक्ति पूर्वी मेदिनीपुर के 400 फॉर्म-6 लेकर अंदर गया था. हमने उसे रंगे हाथों पकड़ा है. उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए. इसके बाद टीएमसी कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए. एक कार्यकर्ता ने कहा, अगर उस व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया गया तो हम यहीं बैठे रहेंगे. इसके बाद पुलिस आई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस बैरिकेड के दोनों ओर कार्यकर्ताओं का जमावड़ा

इस घटना के बाद उत्तरी कोलकाता से भी बीजेपी कार्यकर्ता और समर्थक वहां पहुंच गए. दोनों दलों के कार्यकर्ता और समर्थक पुलिस बैरिकेड के दोनों ओर जमा हो गए. बीजेपी कार्यकर्ताओं का दावा है कि वो (टीएमसी कार्यकर्ता) वहां बैठकर गुंडागर्दी कर रहे हैं. एक कार्यकर्ता ने कहा, हम शुवेंदु दा के लिए आए हैं. टीएमसी के कार्यकर्ता वहां बैठकर गुंडागर्दी कर रहे हैं. ये लोग हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित कर रहे हैं.

दोनों पक्षों की नारेबाजी से तनाव और बढ़ा

इस घटना के साथ ही जैसे-जैसे समय बीता, स्थिति और भी तनावपूर्ण होती गई. एक तरफ टीएमसी तो दूसरी तरफ बीजेपी... दोनों पक्षों की ओर से नारेबाजी से तनाव बढ़ता गया. फिर टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर बीजेपी कार्यकर्ताओं की बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा.

अभिषेक बनर्जी ने लगाया था ये आरोप

बता दें कि बीते दिन यानी सोमवार को टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी फॉर्म-6 के जरिए मतदाताओं के नाम दर्ज कर रही है. ये सभी नए नाम बिहार-उत्तर प्रदेश के मतदाताओं के हैं. इसके बाद अभिषेक ने आयोग से सीसीटीवी फुटेज जारी करने की मांग की थी.

कानपुर यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर की बेटी से गैंगरेप की कोशिश, 3 छात्रों पर FIR; पुलिस ने हिरासत में लिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर की CSJM यूनिवर्सिटी के क्लासरूम में बीएमएलटी छात्रा से गैंगरेप की कोशिश की गई. छात्रा ने अपनी ही क्लास के तीन साथी छात्रों पर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके बाद सभी को हिरासत में ले लिया गया है. हैरान करने वाली बात यह है कि छात्रा एक प्रोफेसर की बेटी है. कल्याणपुर की छत्रपति शाहू जी महाराज (CSJM) यूनिवर्सिटी से एक शर्मनाक घटना सामने आई. यहां 16 मार्च को हेल्थ साइंस डिपार्टमेंट के बीएमएलटी सेकंड ईयर की एक छात्रा के साथ क्लासरूम में गैंगरेप जैसी घिनौनी वारदात को अंजाम देने की कोशिश की गई, जिसके बाद इस मामले में छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया. छात्रा ने अपने ही क्लास के तीन साथी छात्रों पर गंभीर आरोप लगाया है. छात्रा के परिजनों ने पहले विश्वविद्यालय प्रशासन से शिकायत की. इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी. कल्याणपुर थाना पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तुरंत मुकदमा दर्ज

कर लिया. वहीं, तीनों नामजद आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया.

पीड़िता का होगा मेडिकल

कल्याणपुर थाना पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और उसका मेडिकल कराया जा रहा है. साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. DCP एस.एम. कासिम आबिदी ने कहा, उपरोक्त सूचना मिलने पर कल्याणपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तीनों नामजद अभियुक्तों को हिरासत में ले लिया है. पीड़िता का बयान और मेडिकल कराया जा रहा है. साथ ही साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

यूनिवर्सिटी प्रशासन ने जांच कमेटी गठित की

वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी गंभीरता दिखाते हुए आंतरिक समिति गठित की है, जो घटना की जांच कर रही है. कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में छात्राओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा. जानकारी के अनुसार, पीड़िता छात्रा अभी सदमे में है और घटना के बाद यूनिवर्सिटी आने से कतरा रही है.

आरोपियों ने छात्रा को धमकी दी थी

पीड़िता के अनुसार, घटना के दौरान आरोपियों ने छात्रा को किसी को बताने पर गैंगरेप और जान से मारने की धमकी भी दी थी. डर के माहौल में छात्रा ने घटना के बाद विश्वविद्यालय आना बंद कर दिया थी. कई दिनों तक घर पर रहने के बाद जब परिजनों को पूरी बात पता चली तो उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से शिकायत की. कुलपति ने तुरंत मामले की जानकारी कल्याणपुर पुलिस को भिजवाई. यह घटना 16 मार्च की बताई जा रही, जबकि पुलिस को अब सूचना दी गई.

मुंबई को मिली नई BMC कमिश्नर, IAS अफसर अश्विनी भिड़े के हाथों में कमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुंबई महानगरपालिका (BMC) की नई कमिश्नर के तौर पर अश्विनी भिड़े की नियुक्ति की गई है. प्रशासनिक अनुभव और सख्त कामकाज शैली के लिए जानी जाने वाली भिड़े को महाराष्ट्र सरकार का एक मजबूत और भरोसेमंद चेहरा माना जाता है. देवेंद्र फडणवीस की करीबी आईएएस अधिकारियों में शामिल अश्विनी भिड़े इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) में सचिव के पद पर भी कार्यरत रह चुकी हैं. मुंबई के महत्वाकांक्षी भूमिगत मेट्रो प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी. इसके अलावा, क्क्ष्ट में एडिशनल कमिश्नर के रूप में भी उनका अनुभव रहा है, जिससे उन्हें नगर प्रशासन की गहरी समझ है.

अश्विनी भिड़े निभा चुकीं ये बड़ी जिम्मेदारियां

इससे पहले अश्विनी भिड़े मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) में सचिव के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुकी हैं, जहां उन्होंने अहम प्रशासनिक जिम्मेदारियों को संभाला था. मुंबई के महत्वाकांक्षी भूमिगत मेट्रो प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभालते हुए अश्विनी भिड़े ने बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी.

शहरी व्यवस्था पर पकड़

उनके नेतृत्व में परियोजनाओं की मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन को लेकर उनकी कार्यशैली को काफी सख्त माना गया. इसके अलावा, क्क्ष्ट में एडिशनल कमिश्नर के रूप में भी उन्होंने काम किया है, जिससे उन्हें नगर प्रशासन, शहरी व्यवस्था और स्थानीय निकायों की कार्यप्रणाली की गहरी समझ है. उनके इसी अनुभव को देखते हुए उन्हें मुंबई महानगरपालिका जैसे अहम संस्थान की कमान सौंपी गई है.

तेलंगाना का क्रांतिकारी कदम: बुजुर्गों के सम्मान और सुरक्षा का नया युग

[पैरेंटल सपोर्ट बिल-2026: जिम्मेदारी, नैतिकता और कानूनी ताकत का नया मापदंड]

[बुजुर्गों का सम्मान: अब सिर्फ संस्कार नहीं, बल्कि कानूनी हक और सामाजिक आदर्श भी]

माता-पिता के प्रति संवेदनशीलता अब कानून की ताकत से जुड़ गई है। तेलंगाना सरकार ने 'पैरेंटल सपोर्ट बिल-2026' के जरिए स्पष्ट कर दिया है कि वृद्ध माता-पिता को अकेला और बेसहारा छोड़ना अब महंगी कीमत चुकाने जैसा अपराध होगा। यह केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि समाज में नैतिक चेतना, पारिवारिक जिम्मेदारी और सम्मान की पुनर्स्थापना का साहसिक संदेश है। अब कोई भी अपने दायित्व से मुंह नहीं मोड़ सकता–यदि कोई अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहता है, तो उसके वेतन से 15 प्रतिशत या अधिकतम 10,000 रुपये काटकर सीधे माता-पिता के बैंक खाते में जमा किए जाएंगे। यह प्रावधान सरकारी कर्मचारियों, निजी क्षेत्र के कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों–विधायकों और सांसदों–सभी पर समान रूप से लागू होगा, जिससे कानून का प्रभाव हर वर्ग में समान रूप से महसूस होगा। आज की तेज रफ्तार जिंदगी और व्यक्तिगत स्वार्थ ने अक्सर माता-पिता को केवल बोझ जैसा महसूस करा दिया है। शहरों की चमक-दमक, नौकरी की प्रतिस्पर्धा और आधुनिक जीवनशैली ने पारिवारिक रिश्तों की जड़ों को कमजोर कर दिया है। ऐसे दौर में तेलंगाना का यह कानून युवाओं के लिए सख्त चेतावनी की तरह है कि माता-पिता की उपेक्षा अब महंगी पड़ेगी। अब माता-पिता की लिखित शिकायत पर जिला स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होगी और हर महीने कटौती की गई राशि सीधे उनके खाते में नियमित रूप से पहुंचेगी। यह कदम केवल आर्थिक दबाव नहीं बल्कि भावनात्मक, सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी की गहन याद दिलाने वाला है।

इस बिल की सबसे बड़ी ताकत शिकायत निपटारे की सरल, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया है। वृद्ध माता-पिता को केवल जिला कलेक्टर के समक्ष लिखित आवेदन देना पर्याप्त होगा। कलेक्टर दोनों पक्षों को सुनने के बाद अधिकतम 60 दिनों के अंदर मामले का निपटारा करेगा और यदि उपेक्षा सिद्ध हुई तो वेतन कटौती का आदेश जारी करेगा। यदि कलेक्टर समय पर निर्णय नहीं ले पाता या कोई पक्ष असंतुष्ट हो तो अपील के लिए सीनियर सिटीजन कमीशन गठित किया जाएगा। इससे लंबी अदालती प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी, बुजुर्गों को तुरंत आर्थिक सुरक्षा प्राप्त होगी और उनकी गरिमा व आत्मसम्मान बरकरार रहेगा। तेलंगाना सरकार ने इस बिल के जरिए न केवल कानूनी दंड और आर्थिक प्रावधान तय किए हैं, बल्कि समाज में एक नई नैतिक चेतना और पारिवारिक संस्कृति को भी प्रोत्साहित किया है। यह कानून समाज में पारिवारिक जिम्मेदारी की नई चेतना जगाता है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों के व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और व्यस्त जीवनशैली के बावजूद माता-पिता की देखभाल प्राथमिकता बनी रहे। सरकारी, निजी और नेतृत्वकारी सभी वर्गों में समान जिम्मेदारी तय कर समाज में पारिवारिक मूल्यों और नैतिकता की गहरी समझ विकसित होती है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता हमेशा से सर्वोच्च स्थान पर रहे हैं और उन्हें देवता का दर्जा प्राप्त रहा है। उन्होंने जीवन भर कठोर परिश्रम किया और अपने बच्चों के भविष्य को संवारने में कभी कोई कमी नहीं छोड़ी। लेकिन आज की तेज भागती जिंदगी और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं ने इन अमूल्य मूल्यों को कमजोर कर दिया है। तेलंगाना सरकार ने इस विधेयक के जरिए सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों को कानूनी मजबूती दी है। अब हर कर्मचारी के लिए यह अनिवार्य होगा कि वह अपने वेतन का एक निश्चित हिस्सा माता-पिता की देखभाल और सम्मान के लिए सुरक्षित रखे। इस प्रकार यह कानून आर्थिक सहायता के साथ-साथ पारिवारिक मूल्यों को भी मजबूत करता है।

जनप्रतिनिधियों को इस बिल के दायरे में लाना समाज और नेतृत्व की सच्ची जवाबदेही का प्रतीक है। जो नेता समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करते हैं, उन्हें सबसे पहले अपने घर में माता-पिता के प्रति कर्तव्य निभाना चाहिए। जब विधायक, सांसद और अन्य जनप्रतिनिधि स्वयं इस कानून का पालन करेंगे, तो आम नागरिक भी स्वतः प्रेरित होंगे और पारिवारिक जिम्मेदारी को गंभीरता से समझेंगे। यह कदम केवल व्यक्तिगत पालन को सुनिश्चित नहीं करता, बल्कि नेतृत्व की जवाबदेही को मज़बूत बनाकर पूरे समाज में नैतिकता, जिम्मेदारी और पारिवारिक मूल्य की गहरी भावना पैदा करता है। निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को इस कानून में शामिल करना इसे पूरी तरह क्रांतिकारी और समाज परिवर्तनकारी बनाता है। पहले केवल सरकारी क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित रहता था, लेकिन अब पूरे समाज में समान कानूनी मानक लागू होंगे। माता-पिता की उपेक्षा अब व्यक्तिगत या पारिवारिक मामला नहीं रहेगी, बल्कि इसे सीधे कानून का उल्लंघन माना जाएगा। यह कदम स्पष्ट संदेश देता है कि बुजुर्गों की उपेक्षा अब बर्दाश्त नहीं होगी। हर व्यक्ति को अपने माता-पिता की देखभाल, सम्मान और सुरक्षा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। इससे पूरे समाज में बुजुर्गों की उपेक्षा अस्वीकार्य हो जाएगी।

तेलंगाना का यह साहसिक और दूरदर्शी निर्णय पूरे देश के लिए प्रेरणा और उदाहरण बन चुका है। अन्य राज्यों को भी तुरंत इस विधेयक को अपनाना चाहिए ताकि बुजुर्गों की पीड़ा, उपेक्षा और हताशा को रोका जा सके। जब तक माता-पिता सुरक्षित, सम्मानित और पूरी देखभाल में नहीं रहेंगे, तब तक समाज का वास्तविक, स्थिर और समग्र विकास अधूरा रहेगा। यह कानून केवल सामाजिक और कानूनी जिम्मेदारी नहीं बनाता, बल्कि यह नैतिकता, पारिवारिक संस्कार और विकास के बीच सशक्त संतुलन स्थापित करने का शक्तिशाली संदेश भी देता है। माता-पिता की सेवा और सम्मान जीवन की परम प्राथमिकता और सर्वोच्च संस्कार है। तेलंगाना सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समाज की असली शक्ति परिवार की मजबूत नींव में ही निहित है। इस बिल से न केवल बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान लौटेगी, बल्कि पूरे समाज में पारिवारिक बंधन भी फिर से प्रगाढ़ और अटूट होंगे। राष्ट्र की सच्ची गरिमा उसके बुजुर्गों के सम्मान और सुरक्षा में झलकती है। आइए हम सब मिलकर इस ऐतिहासिक पहल का गर्व से समर्थन करें और अपने माता-पिता को वह सच्चा सम्मान, सुरक्षा और प्यार लौटाएं, जिसके वे वास्तविक हकदार हैं। तेलंगाना का यह साहसिक और दूरदर्शी कदम केवल कानून नहीं, बल्कि समाज में नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अनोखी मिसाल भी है।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

संपादकीय

महायुद्ध में प्रयुक्त गोला बारूद के विकरण से पर्यावरण में होंगे जहरीले परिणाम

वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यदि युद्धों में प्रयुक्त हथियारों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो ग्लोबल वार्मिंग की समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है। युद्ध के गोला बारूद के विकरण से पर्यावरण तथा ग्लोबल वार्मिंग में जहरीले परिणाम होने की आशंका बलवती हो चुकी है और इसके दूरगामी परिणाम की भी संभावना भी होगी, और प्रभावित क्षेत्र में निवासियों की आने वाली पीढ़ी भी इनके भयानक नतीजों से वंचित नहीं रह पाएंगी। युद्ध केवल सीमाओं का सीमित संघर्ष नहीं होता, यह धरती, आकाश और जीवन की समूची संरचना पर गहरा प्रभाव व प्रहार करता है।

आधुनिक युद्धों में इस्तेमाल होने वाला बारूद, मिसाइलें, बम और रासायनिक तत्व केवल तत्काल विनाश तक सीमित नहीं रहते, बल्कि इनके प्रभाव दूरगामी और अदृश्य रूप से पर्यावरण तथा वैश्विक जलवायु को प्रभावित करते हैं। जब किसी युद्ध क्षेत्र में विस्फोट होते हैं तो भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और सूक्ष्म कण (पार्टिकुलेट मैटर) वायुमंडल में फैल जाते हैं, जो सीधे-सीधे ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाते हैं। ईरान, अमेरिका, इजरायल, फिलिस्तीन और रूस-यूक्रेन जैसे संघर्ष क्षेत्रों में लगातार हो रहे हमलों ने न केवल मानव जीवन को संकट में डाला है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन को भी बुरी तरह झकझोर दिया है। युद्ध के दौरान जलते हुए तेल के कुएं, ध्वस्त होती औद्योगिक इकाइयाँ और धुएँ से भरे आसमान एक ऐसे विषाक्त वातावरण का निर्माण करते हैं, जिसमें सांस लेना भी खतरनाक हो जाता है। यह जहरीली हवा केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वायुमंडलीय धाराओं के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुँच जाती है, जिससे वैश्विक स्तर पर प्रदूषण बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की गति तेज होती है। बारूद में प्रयुक्त रसायन मिट्टी और जल स्रोतों में मिलकर उन्हें भी विषाक्त बना देते हैं, जिससे कृषि भूमि की उर्वरता घटती है और खाद्य सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न होता है। युद्ध के कारण बड़े पैमाने पर जंगलों की कटाई और आगजनी भी होती है, जिससे कार्बन अवशोषण की प्राकृतिक क्षमता कम हो जाती है और वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर बढ़ता है। यह स्थिति ग्लोबल वार्मिंग को और अधिक गंभीर बना देती है, जिसके परिणामस्वरूप तापमान में वृद्धि, असामान्य वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ने लगती हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले आधुनिक हथियारों में यूरेनियम और अन्य रेडियोधर्मी तत्व भी शामिल होते हैं, जिनका प्रभाव पीढ़ियों तक बना रहता है और पारिस्थितिकी तंत्र को स्थायी क्षति पहुँचाता है। इन तत्वों के कारण मिट्टी और पानी लंबे समय तक प्रदूषित रहते हैं, जिससे मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है, जैसे कैंसर और जन्मजात विकृतियाँ। युद्ध के दौरान होने वाले विस्फोटों से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण भी वन्यजीवों के जीवन को प्रभावित करता है, जिससे उनकी प्राकृतिक प्रवृत्तियाँ बदल जाती हैं और कई प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार पर पहुँच जाती हैं। इसके अतिरिक्त, युद्ध के कारण बड़े पैमाने पर विस्थापन होता है, जिससे शरणार्थी संकट उत्पन्न होता है और नए क्षेत्रों पर पर्यावरणीय दबाव बढ़ता है, क्योंकि अचानक बढ़ी जनसंख्या के कारण संसाधनों का अत्यधिक दोहन होने लगता है। वैश्विक स्तर पर यदि इन युद्धों का सिलसिला इसी प्रकार चलता रहा, तो यह केवल राजनीतिक या आर्थिक संकट नहीं रहेगा, बल्कि एक गहरा पर्यावरणीय संकट बन जाएगा, जिसका प्रभाव पूरी मानवता को भुगतना पड़ेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व के राष्ट्र केवल शक्ति प्रदर्शन और वर्चस्व की राजनीति से ऊपर उठकर पर्यावरण संरक्षण और शांति की दिशा में ठोस कदम उठाएं, क्योंकि एक प्रदूषित और असंतुलित पृथ्वी पर किसी भी राष्ट्र की विजय का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। अंततः यह समझना होगा कि युद्ध की जीत अस्थायी हो सकती है, लेकिन उससे होने वाला पर्यावरणीय नुकसान स्थायी होता है, और यदि हमने समय रहते इस दिशा में ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसी पृथ्वी विरासत में मिलेगी, जहाँ जीवन की गुणवत्ता अत्यंत निम्न होगी और प्राकृतिक संसाधन समाप्ति के कगार पर होंगे, इसलिए शांति ही वह एकमात्र मार्ग है, जो पर्यावरण को सुरक्षित रख सकती है और मानवता को एक स्थायी भविष्य प्रदान कर सकती है।

संजीव ठाकुर

घर के अदृश्य संविधान में स्त्री का संशोधन

'सबकी जिम्मेदारी' अब सचमुच सबकी

रिश्तों की पुनर्संरचना: स्त्री का शांत हस्ताक्षर

सुबह की रसोई में उबलती चाय की भाप के साथ एक और चीज़ उठ रही है–खामोश विद्रोह। यह विद्रोह दरवाज़े पटककर नहीं, बल्कि दरवाज़े धीरे से बंद करके होता है। महिलाएँ अब घर छोड़ नहीं रहीं, नौकरी छोड़ नहीं रहीं, पर 'सब कुछ संभालने' की अदृश्य जिम्मेदारी से पीछे हट रही हैं। इसे ही घर से 'क्वाइट क्विटिंग' कहा जा रहा है। यह लापरवाही नहीं, आत्मरक्षा है; असंवेदनशीलता नहीं, संतुलन की माँग है। दशकों से घर की दीवारों में कैद वह मानसिक बोझ, जिसे कर्तव्य कहकर सामान्य बना दिया गया था, अब प्रश्नों के कटघरे में है। यह नई लहर बिना नारों के, बिना मंचों के, सीधे रसोई और बैठक के बीच जन्म ले रही है।

'क्वाइट क्विटिंग' शब्द कार्यस्थल से आया, पर घर के भीतर इसका अर्थ कहीं अधिक गहरा है। दफ्तर में कर्मचारी अतिरिक्त काम छोड़ता है, यहाँ महिला अतिरिक्त भावनात्मक और संज्ञानात्मक श्रम छोड़ रही है। मेंटल लोड वह अदृश्य सूची है जो उसके दिमाग में हर समय चलती रहती है–बच्चों की परियोजना, सास की दवा, पति की मीटिंग, त्योहार की तैयारी, रिश्तों की मरम्मत। समय उपयोग सर्वेक्षण 2024 के आँकड़े बताते हैं कि भारतीय महिलाएँ प्रतिदिन पुरुषों से कई घंटे अधिक अवैतनिक श्रम करती हैं। महिलाएँ रोजाना 289 मिनट अनपेड घरेलू कामों पर और 137 मिनट देखभाल पर खर्च करती हैं जबकि पुरुष केवल 88 और 75 मिनट। यह सिर्फ समय नहीं, ऊर्जा और पहचान की कीमत भी है। यही असमानता अब प्रतिरोध को जन्म दे रही है।

महामारी ने इस असंतुलन को निर्वस्त्र कर दिया। घर ही दफ्तर बना, दफ्तर ही घर, और महिला दोनों की प्रबंधक। लैपटॉप की स्क्रीन के पीछे वह मीटिंग में थी, और कैमरे के बाहर रसोई में। इसी दौर में सोशल मीडिया ने वैश्विक संवाद खोला। हजारों भारतीय महिलाएँ लिखने लगीं कि वे 'परफेक्ट' होने की दौड़ से बाहर निकलना चाहती हैं। नई पीढ़ी की मिलेनियल और जेन-ज़ेड महिलाएँ अपनी माताओं की थकान को विरासत नहीं बनाना चाहतीं। वे समझ चुकी हैं कि त्याग का अनंत महिमामंडन असल में असमानता को स्थायी बनाता है। इसलिए यह बदलाव भावनात्मक जागरण से उपजा है।

व्यवहार में यह विद्रोह बेहद सूक्ष्म है। महिला चाय बनाएगी, पर सबके दिमाग का अलार्म नहीं बनेगी। वह याद दिलाना बंद कर देगी, आयोजन का बोझ साझा कर देगी, हर निर्णय की धुरी बनने से इंकार कर देगी। शुरुआत में परिवार चौंकता है, कभी नाराज़ भी होता है। 'तुम बदल गई हो' जैसे वाक्य तीर की तरह आते हैं। पर धीरे-धीरे घर के अन्य सदस्य भी जिम्मेदारी का स्वाद चखते हैं। बच्चे खुद अपना बैग तैयार करने लगते हैं, पति दवाइयों की सूची संभालने लगता है। यह बदलाव टकराव से नहीं, अभ्यास से आता है, और यहीं इसकी शक्ति छिपी है।

इस खामोश क्रांति के सामाजिक प्रभाव दूरगामी हैं। परिवार की शक्ति-संरचना बदल रही है। पुरुष पहली बार समझ रहे हैं कि घर चलाना केवल शारीरिक श्रम नहीं, निरंतर मानसिक योजना भी है। बच्चों में आत्मनिर्भरता बढ़ रही है क्योंकि माँ हर समस्या का तत्काल समाधान नहीं दे रही। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य सुधर रहा है; चिंता और थकान में कमी दिख रही है। जब वे हर समय 'ऑन' नहीं रहतीं, तब उनकी रचनात्मकता और पेशेवर दक्षता भी बढ़ती है। यह विद्रोह रिश्तों को तोड़ने नहीं, उन्हें अधिक न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में है।

फिर भी यह राह बिल्कुल सरल नहीं। समाज अब भी आदर्श पत्नी और त्यागमयी माँ के पुराने साँचे से बाहर सोचने को सहज नहीं है। अपराधबोध सबसे बड़ी दीवार बनकर खड़ा हो जाता है–क्या मैं स्वार्थी बन रही हूँ? रिश्तेदारों के सवाल, पड़ोस की फुसफुसाहट और परिवार की अनकही अपेक्षाएँ मिलकर भारी दबाव रचती हैं। अनेक महिलाएँ खुली घोषणा नहीं करतीं, बल्कि चुपचाप अपनी भूमिका की सीमाएँ तय करने लगती हैं। यह अनकहा विद्रोह है, जिसे इतिहास शायद सुर्खियों में दर्ज न करे, पर घरों की फिज़ा बदलने की क्षमता रखता है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी चेताते हैं कि समय पर संतुलन न साधा जाए तो थकान और टूटन अवश्यंभावी है।

आने वाले वर्षों में यह लहर और स्पष्ट होगी। नीतिगत स्तर पर पितृत्व अवकाश, घरेलू श्रम की स्वीकृति और कार्य-जीवन संतुलन पर बहसें गंभीर होंगी। पर असली बदलाव तब आएगा, जब हर घर में काम और भावनात्मक श्रम बराबरी से बाँटे जाएँगे। पुरुषों को भी संवेदनशीलता और जिम्मेदार योजना की आदत विकसित करनी होगी। घर साझेदारी का जीवंत स्थान बनेगा, एकतरफा सेवा का मंच नहीं। जब जिम्मेदारियाँ न्यायपूर्ण ढंग से साझा होंगी, तब प्रेम भी संतुलित और सम्मानपूर्ण होगा। यह क्रांति नकारात्मक नहीं, रिश्तों को स्वस्थ बनाने की सतत प्रक्रिया है, जो धीरे-धीरे संस्कृति की दिशा बदल देगी।

घर से 'क्वाइट क्विटिंग' प्रतिशोध की पुकार नहीं, आत्मसम्मान की सशक्त व्याकरण है। महिलाएँ स्पष्ट कर रही हैं कि वे घर की केंद्रबिंदु तो रहेंगी, पर अकेली आधारशिला नहीं। वे रिश्ते निभाएँगी, मगर अपनी अस्मिता की कीमत पर नहीं। जब मेंटल लोड बराबरी से बाँटा जाएगा, तभी घर का सुकून भी समान रूप से खिलेगा। यह मौन परिवर्तन आने वाले दशक में भारतीय परिवार की परिभाषा पुनर्लिख सकता है। अब समय है कि हम इस बदलाव को समझें, स्वीकारें और सक्रिय समर्थन दें। क्योंकि घर की चौखट पर जन्मी बराबरी ही समाज की असली प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है।

कृति आरके जैन

पांच राज्यों के चुनाव में कानून व्यवस्था सबसे बड़ी कसौटी, आरोप-प्रत्यारोप के बीच लोकतंत्र की परीक्षा

देश के पांच महत्वपूर्ण राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनावों ने राजनीतिक तापमान को चरम पर पहुंचा दिया है। पश्चिम बंगाल असम तमिलनाडु केरल और पुडुचेरी में चुनावी गतिविधियां तेज हैं, लेकिन इस बार सबसे अधिक चर्चा कानून व्यवस्था को लेकर हो रही है। राजनीतिक दलों के आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो पाएंगे या नहीं।

सबसे अधिक विवाद और तनाव पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का गंभीर आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि राज्य में प्रशासनिक तंत्र निष्पक्ष नहीं है और मतदाताओं को डराने-धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। इन आरोपों के बाद मामला भारत निर्वाचन आयोग तक पहुंच चुका है। यह स्थिति कानून व्यवस्था की दृष्टि से चिंताजनक मानी जा रही है क्योंकि जब सत्तारूढ़ दल पर ही इस प्रकार के आरोप लगते हैं तो चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

दूसरी ओर ममता बनर्जी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए विपक्ष पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया है। राज्य में पहले भी चुनावों के दौरान हिंसा और तनाव की घटनाएं सामने आती रही हैं। इस बार भी पूरक मतदाता सूची को लेकर असमंजस और लाखों नामों पर विचाराधीन स्थिति ने प्रशासनिक चुनौती को और बढ़ा दिया है। स्पष्ट है कि बंगाल में कानून व्यवस्था चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है और इसे संभालना प्रशासन के लिए बड़ी परीक्षा है। पूर्वोत्तर के राज्य असम में भी स्थिति पूरी तरह शांत नहीं कही जा सकती। यहां कांग्रेस और एआईयूडीएफ कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की घटना सामने आई है, जिसने चुनावी माहौल में तनाव का संकेत दिया है। यह घटना दर्शाती है कि जमीनी स्तर पर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कभी-कभी टकराव का रूप ले लेती है। हालांकि राज्य में सत्तारूढ़ पक्ष लगातार यह दावा कर रहा है कि कानून व्यवस्था पहले की तुलना में बेहतर हुई है, लेकिन इस तरह की घटनाएं चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े करती हैं।

तमिलनाडु में स्थिति अपेक्षाकृत शांत दिखती है, लेकिन यहां भी राजनीतिक गतिविधियां काफी तेज हैं। नामांकन, रैलियां और जनसंपर्क कार्यक्रमों के बीच प्रशासन के सामने चुनौती यह है कि कहीं भी अव्यवस्था या टकराव की स्थिति न बने। विभिन्न दलों के नेताओं के बीच बयानबाजी जरूर तेज है, परंतु अभी तक बड़े स्तर पर हिंसक घटनाओं की खबर नहीं है। यह राज्य परंपरागत रूप से अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनावों के लिए जाना जाता है, लेकिन सतर्कता यहां भी जरूरी है क्योंकि चुनावी प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

दक्षिण भारत के ही केरल में चुनावी प्रक्रिया एक अलग ही स्वरूप में नजर आती है। यहां राजनीतिक चेतना उच्च स्तर की मानी जाती है और मतदाता सक्रिय रूप से भागीदारी करते हैं। इस बार भी बुजुर्गों और दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर से मतदान की सुविधा शुरू की गई है, जो लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। हालांकि यहां प्रत्यक्ष हिंसा की घटनाएं कम देखने को मिलती हैं, फिर भी राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और वैचारिक टकराव लगातार जारी रहता है। कानून व्यवस्था की दृष्टि से राज्य अपेक्षाकृत संतुलित नजर आता है, लेकिन प्रशासन को पूरी सतर्कता बनाए रखनी होती है।

पुडुचेरी में चुनावी गतिविधियां सीमित दायरे में होती हैं, लेकिन यहां भी राजनीतिक समीकरण काफी जटिल होते हैं। छोटे क्षेत्रफल के बावजूद यहां गठबंधन राजनीति का प्रभाव अधिक है। कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतनी पड़ती है, क्योंकि छोटी घटनाएं भी बड़े विवाद का रूप ले सकती हैं। हालांकि अब तक यहां से किसी बड़ी हिंसक घटना की सूचना नहीं है, लेकिन चुनावी माहौल को देखते हुए सावधानी आवश्यक है।

इन पांचों राज्यों की स्थिति का समग्र विश्लेषण यह बताता है कि जहां एक ओर लोकतंत्र का उत्सव मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कानून व्यवस्था एक गंभीर चुनौती के रूप में सामने आई है। चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं होते, बल्कि यह जनता के विश्वास और प्रशासन की निष्पक्षता की भी परीक्षा होते हैं। यदि मतदाता भयमुक्त होकर मतदान नहीं कर पाएंगे तो चुनाव का मूल उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा।

राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से अधिक महत्वपूर्ण शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। प्रशासन और भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका इस समय सबसे अहम हो जाती है। उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि हर मतदाता बिना किसी दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। अंततः यह कहा जा सकता है कि इन चुनावों में जीत-हार से अधिक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा है। कानून व्यवस्था की स्थिति ही तय करेगी कि यह चुनाव लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक बनेंगे या फिर अव्यवस्था की मिसाल। देश की नजरें इन पांच राज्यों पर टिकी हैं और उम्मीद की जा रही है कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न होंगे, जिससे लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत होंगी।

कांतिलाल मांडोत

महावीर स्वामी: मानवता के सच्चे मार्गदर्शक

महावीर जयंती भारत के प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक पर्वों में से एक है, जो जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव के रूप में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है। यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, नैतिकता और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश देने वाला पर्व है। इस दिन न केवल जैन समुदाय, बल्कि सभी धर्मों के लोग भगवान महावीर के उपदेशों को याद करते हैं और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हैं। महावीर जयंती हमें यह सिखाती है कि सच्चा धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह हमारे व्यवहार, सोच और जीवन शैली में झलकना चाहिए। भगवान महावीर का जन्म लगभग 599 ईसा पूर्व वैशाली के समीप कुंडलपुर में एक क्षत्रिय परिवार में हुआ था। उनका बचपन का नाम वर्धमान था। बचपन से ही उनमें असाधारण साहस, करुणा और संवेदनशीलता थी। वे राजसी वैभव में पले-बढ़े, लेकिन उनका मन सांसारिक सुखों में नहीं लगा। तीस वर्ष की आयु में उन्होंने राज-पाट, परिवार और सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर सन्यास धारण कर लिया और सत्य की खोज में निकल पड़े। यह त्याग ही उनके महान व्यक्तित्व की पहली झलक थी, जिसने उन्हें साधारण मनुष्य से महान आत्मा बना दिया। महावीर स्वामी ने लगभग बारह वर्षों तक कठोर तपस्या और साधना की। इस दौरान उन्होंने अनेक कष्टों को सहन किया, लेकिन कभी विचलित नहीं हुए। अंततः उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई, जिसे 'कैवल्य ज्ञान' कहा जाता है। इसके बाद उन्होंने अपने अनुभवों और ज्ञान को समाज के सामने प्रस्तुत किया और लोगों को सच्चे जीवन का मार्ग दिखाया। उन्होंने कभी स्वयं को भगवान नहीं कहा, बल्कि यह बताया कि हर व्यक्ति अपने प्रयासों से आत्मज्ञान प्राप्त कर सकता है। यह विचार उस समय के लिए अत्यंत क्रांतिकारी था और आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

भगवान महावीर के उपदेशों का मूल आधार अहिंसा है। उन्होंने कहा कि किसी भी जीव को कष्ट पहुँचाना सबसे बड़ा पाप है। उन्होंने न केवल शारीरिक हिंसा, बल्कि विचारों और शब्दों में भी अहिंसा का पालन करने की शिक्षा दी। उनके अनुसार, यदि हम किसी के प्रति बुरा सोचते हैं, तो वह भी एक प्रकार की हिंसा है। इसी के साथ उन्होंने सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का भी प्रचार किया। ये पाँच महाव्रत आज भी जैन धर्म की आधारशिला हैं और मानव जीवन को संतुलित और नैतिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महावीर जयंती का पर्व इन शिक्षाओं को याद करने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर प्रदान करता है। इस दिन जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है, भगवान महावीर की प्रतिमाओं का अभिषेक किया जाता है और शोभा यात्राएँ निकाली जाती हैं। श्रद्धालु भक्ति गीत गाते हैं, प्रवचन सुनते हैं और दान-पुण्य के कार्य करते हैं। कई लोग इस दिन उपवास रखते हैं और आत्मचिंतन में समय बिताते हैं। यह सब केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मविकास के साधन हैं।

महावीर जयंती का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युग में, जब समाज में हिंसा, असहिष्णुता और स्वार्थ बढ़ते जा रहे हैं, महावीर के उपदेश हमें शांति और संतुलन का मार्ग दिखाते हैं। उनका 'जियो और जीने दो' का संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें सिखाता है कि हमें न केवल अपने जीवन का सम्मान करना चाहिए, बल्कि दूसरों के जीवन का भी आदर करना चाहिए। इसके अलावा, महावीर स्वामी ने पर्यावरण संरक्षण का भी अप्रत्यक्ष रूप से संदेश दिया। जब वे कहते हैं कि हर जीव महत्वपूर्ण है, तो इसमें पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और प्रकृति के सभी तत्व शामिल होते हैं। आज जब दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, उनके विचार हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देते हैं। यदि हम उनके सिद्धांतों का पालन करें, तो न केवल समाज में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि प्रकृति का संतुलन भी बना रह सकता है।

महावीर जयंती हमें आत्मसंयम का भी महत्व सिखाती है। आज के भौतिकवादी युग में लोग अधिक से अधिक संपत्ति और सुख-सुविधाएँ प्राप्त करने की होड़ में लगे हैं। लेकिन महावीर स्वामी ने अपरिग्रह का संदेश देकर बताया कि आवश्यकता से अधिक संग्रह करना भी एक प्रकार का बंधन है। सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि भीतर की शांति और संतोष में होता है। यह विचार हमें जीवन को सरल और संतुलित बनाने की प्रेरणा देता है। इस पर्व का एक और महत्वपूर्ण पहलू है समानता और मानवता का संदेश। महावीर स्वामी ने जाति, वर्ग और लिंग के भेदभाव को नकारते हुए सभी को समान माना। उनके अनुसार, हर व्यक्ति में आत्मा समान है और सभी को सम्मान और अधिकार मिलना चाहिए। यह विचार आज भी समाज में समानता और न्याय स्थापित करने के लिए प्रेरणा देता है। अंततः, महावीर जयंती केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है। यह हमें अपने भीतर झाँकने, अपने दोषों को पहचानने और उन्हें सुधारने का अवसर देती है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा धर्म बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि हमारे आचरण और विचारों में होता है। यदि हम भगवान महावीर के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाएँ, तो न केवल हमारा जीवन बेहतर हो सकता है, बल्कि समाज भी अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय बन सकता है। इस प्रकार महावीर जयंती एक ऐसा पर्व है, जो हमें आध्यात्मिक ऊँचाइयों की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करता है और मानवता के सच्चे मार्ग पर चलने का संदेश देता है।

महेन्द्र तिवारी

नेपाल की नई आस: युवा नेतृत्व के सामने अवसर और चुनौती

रामनवमी के पावन अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 35 वर्षीय बालेन्द्र शाह का नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक परिवर्तन का संकेत है। यह उस देश में उम्मीदों के पुनर्जागरण का क्षण है, जो लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार और दिशा-भ्रम की स्थिति से जूझ रहा है। बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में गठित यह युवा सरकार, जिसमें अधिकांश मंत्री 40 वर्ष से कम आयु के हैं, नेपाल की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती है। नेपाल का आधुनिक राजनीतिक इतिहास उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। लगभग 240 वर्षों तक एकमात्र हिंदू राष्ट्र के रूप में स्थापित रहने के बाद, 2008 में राजशाही का अंत हुआ और देश ने संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य का स्वरूप ग्रहण किया। यह परिवर्तन जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप एक सशक्त, समृद्ध और लोकतांत्रिक नेपाल के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया था। किंतु विडंबना यह रही कि इसके बाद का दौर राजनीतिक अस्थिरता, अल्पकालिक सरकारों और बढ़ते भ्रष्टाचार से घिरा रहा। 1990 के बाद से बत्तीस बार सरकारों का बनना और गिरना, लोकतांत्रिक संस्थाओं की कमजोरी को उजागर करता है। कोई भी सरकार अपना पूर्ण कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी, जिससे नीतिगत निरंतरता बाधित हुई और विकास की गति प्रभावित हुई। इस अस्थिरता के बीच बाहरी शक्तियों का प्रभाव भी बढ़ा, विशेषकर चीन का, जिसने नेपाल की नीतिगत दिशा और क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित किया। परिणामस्वरूप, भारत के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों में अपेक्षित प्रगाढ़ता नहीं आ सकी। आज नेपाल आर्थिक चुनौतियों, बढ़ते बेरोज़गारी संकट और युवाओं के पलायन जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे समय में बालेन्द्र शाह की युवा सरकार से अपेक्षाएं स्वाभाविक रूप से अधिक हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि कार्यशैली और दृष्टिकोण में बदलाव की परीक्षा भी है। बालेन्द्र शाह द्वारा श्रीराम को साक्षी मानकर शासन की शुरुआत करना एक सांस्कृतिक संदेश भर नहीं, बल्कि नैतिकता, मर्यादा और जवाबदेही के मूल्यों को आत्मसात करने का संकेत भी है। किंतु प्रतीकों से आगे बढ़कर ठोस नीतिगत निर्णय और प्रभावी क्रियान्वयन ही इस सरकार की वास्तविक कसौटी होंगे। इस युवा नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती भ्रष्टाचार की जड़ों को समाप्त करना, प्रशासनिक पारदर्शिता स्थापित करना और राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करना है। साथ ही, संतुलित विदेश नीति के माध्यम से भारत और चीन दोनों के साथ व्यावहारिक और राष्ट्रीय हितों पर आधारित संबंध विकसित करना भी आवश्यक होगा। विशेष रूप से भारत के साथ आर्थिक, व्यापारिक और सांस्कृतिक सहयोग को नई ऊर्जा देना नेपाल के विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यह सरकार युवाओं की आकांक्षाओं को समझते हुए रोजगार सृजन, शिक्षा और उद्यमिता को प्राथमिकता दे। यदि यह सरकार अपनी ऊर्जा, नवीन सोच और पारदर्शी दृष्टिकोण के साथ काम करती है, तो वह न केवल नेपाल की आंतरिक चुनौतियों को दूर कर सकती है, बल्कि क्षेत्रीय स्तर पर भी एक आदर्श प्रस्तुत कर सकती है। स्पष्ट है कि बालेन्द्र शाह सरकार के पास अवसर भी है और चुनौती भी। यह समय केवल आशाओं का नहीं, बल्कि परिणाम देने का है। यदि यह युवा नेतृत्व अपने वादों पर खरा उतरता है, तो नेपाल एक बार फिर स्थिरता, समृद्धि और स्वाभिमान की राह पर अग्रसर हो सकता है। अन्यथा, यह अवसर भी इतिहास के अनेक अधूरे प्रयासों की सूची में शामिल होकर रह जाएगा।

अरविंद रावल

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का भव्य आगाज़, लखनऊ बना फिल्म जगत का केंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

संवाददाता प्रगति यादव

लखनऊ, 30 मार्च 2026। राजधानी लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में सोमवार को यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस प्रतिष्ठित आयोजन का उद्देश्य फिल्म उद्योग, शिक्षा जगत और उभरती प्रतिभाओं को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां सिनेमा के वर्तमान और भविष्य पर सार्थक संवाद हो सके। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कॉन्क्लेव के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश तेजी से फिल्म निर्माण का प्रमुख केंद्र बन रहा है। राज्य सरकार द्वारा फिल्म नीति, शूटिंग लोकेशनों की उपलब्धता और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दिग्गज कलाकारों और गणमान्य व्यक्तियों की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में फिल्म और टीवी जगत की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। इनमें जाकिर हुसैन, राजेश जैस, आदित्य श्रीवास्तव प्रमुख रूप से शामिल रहे। इन कलाकारों ने अपने अनुभव साझा करते हुए युवा प्रतिभाओं को संघर्ष, समर्पण और निरंतर सीखने का संदेश दिया। इसके अलावा पूर्व डीजीपी सूर्य कुमार शुक्ला, अमित आर्यन, सोहन मास्टर, धीरज सिंह, रमेश शुक्ला, दुर्गेश पाठक, आलोक सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे, जिनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

एफटीआईआई की सक्रिय भागीदारी, फिल्म शिक्षा पर विशेष जोर

कॉन्क्लेव में Film and Television Institute of India (एफटीआईआई) की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। संस्थान के कुलपति धीरज सिंह और रणनीति प्रमुख संतोष ओझा ने फिल्म शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आधुनिक तकनीक, स्किल डेवलपमेंट और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से नए फिल्मकारों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि एफटीआईआई जैसे संस्थान भारतीय सिनेमा की गुणवत्ता और नवाचार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने राज्य में फिल्म शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

फिल्म इंडस्ट्री और शिक्षा के बीच मजबूत तालमेल पर चर्चा

कॉन्क्लेव के विभिन्न सत्रों में फिल्म निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र (Film Ecosystem) को सुदृढ़ करने पर गहन चर्चा हुई। इसमें निम्न प्रमुख बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया:

» फिल्म निर्माण में नई तकनीकों का उपयोग

» क्षेत्रीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाना

» युवा प्रतिभाओं के लिए प्रशिक्षण और अवसर

» फिल्म संस्थानों और इंडस्ट्री के बीच सहयोग बढ़ाना

» उत्तर प्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में विकसित करना

विशेषज्ञों ने कहा कि यदि शिक्षा, तकनीक और उद्योग के बीच मजबूत तालमेल स्थापित हो जाए, तो भारत का फिल्म उद्योग विश्व स्तर पर नई पहचान बना सकता है।

युवा प्रतिभाओं के लिए सुनहरा अवसर

कॉन्क्लेव में बड़ी संख्या में फिल्म छात्र, कलाकार और क्रिएटिव प्रोफेशनल्स शामिल हुए। यह मंच उन्हें न केवल सीखने का अवसर दे रहा है, बल्कि इंडस्ट्री के दिग्गजों से सीधे संवाद का भी मौका प्रदान कर रहा है। वर्कशॉप, पैनल डिस्कशन और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को फिल्म निर्माण के विभिन्न पहलुओं—जैसे निर्देशन, अभिनय, पटकथा लेखन, संपादन और प्रोडक्शन—की गहन जानकारी दी जा रही है।

दो दिवसीय आयोजन, कई अहम सत्रों का होगा आयोजन

स्थानः उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ, तिथिः 30-31 मार्च 2026 दो दिवसीय इस कॉन्क्लेव में आने वाले दिनों में कई महत्वपूर्ण सत्र, मास्टरक्लास और नेटवर्किंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। यूपी इंटरनेशनल फिल्म कॉन्क्लेव 2026 न केवल फिल्म उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हो रहा है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश को फिल्म निर्माण के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी एक मजबूत कदम है। इस आयोजन से निश्चित रूप से नई प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी और भारतीय सिनेमा को नई ऊर्जा प्राप्त होगी।

संक्षिप्त खबरें

भक्ति भाव से हुई भगवान जगन्नाथ की पूजा, घर-घर गूंजे मंगल गीत

लालगंज (रायबरेली)। कस्बा सहित आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को भगवान जगन्नाथ की पूजा पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ की गई। सनातन धर्मावलंबी परिवारों में घर-घर विधि-विधान से पूजा-अर्चना हुई। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिरों में पहुंचकर महिलाओं ने मंगल गीत गाए और भगवान की स्तुति की। घरों में भगवान जगन्नाथ के चित्र को सुसज्जित कर नए अन्न का भोग अर्पित किया गया। पूजन के बाद हवन कर प्रसाद वितरित किया गया। कई स्थानों पर सामूहिक भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ, जिससे माहौल भक्तिमय बना रहा। बाबा बालेश्वर धाम के प्रधान पुजारी पं. झिलमिल महाराज ने बताया कि भगवान जगन्नाथ की पूजा सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस पूजा में पवित्रता और श्रद्धा का विशेष महत्व होता है। सच्चे मन से की गई आराधना से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

शहीदों के परिजनों का हुआ सम्मान, कार्यक्रम में दिखा गर्व और कृतज्ञता का भाव

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बालाजी नगर मोहल्ला में सोमवार को गौरव सेनानी वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहीदों और पूर्व सैनिकों के परिजनों को सम्मानित कर उनके त्याग और बलिदान को नमन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के संरक्षक एवं पूर्व विधायक सुरेंद्र बहादुर सिंह ने शहीदों के परिजनों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सैनिकों का ऋण कभी नहीं चुकाया जा सकता, उनका बलिदान सदैव हमें प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम के संयोजक एवं सेवानिवृत्त नौसैनिक उग्रसेन सिंह ने बताया कि संस्था सैनिकों और समाज की सेवा के लिए निरंतर कार्यरत है। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवारों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है और यह आयोजन कृतज्ञता व्यक्त करने का एक माध्यम है। इस दौरान कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त रामेश्वर सिंह की पत्नी श्रीमती देवी, जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में शहीद हुए सैनिक की पत्नी निर्मला सिंह, शहीद बलवंत सिंह की पत्नी तुलसा देवी तथा शहीद रवि नारायण सिंह के पुत्र बसंत सिंह को सम्मानित किया गया। इसके अलावा कई पूर्व सैनिकों को भी सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन बृजेश शर्मा ने किया। इस मौके पर मंजू सिंह, राजेश सिंह, अमित सिंह, प्रमोद सिंह, तेज बहादुर सिंह, राकेश द्विवेदी और बबलू सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कंपोजिट स्कूल दाउदपुर में चोरों ने ताला तोड़कर किया कंप्यूटर व सामान चोरी

शिक्षा के मंदिर को भी चोरों ने नहीं बक्शा

सीतापुर नेशनल हाईवे स्थित लखनऊ सीतापुर मार्ग पर जिले के सरकारी विद्यालय में कंप्यूटर व बर्तन आदि सामान चोरों ने किया गायब! कंपोजिट स्कूल दाउदपुर ब्लाक कसमंडा जिला सीतापुर बीती रात चोरों ने स्कूल का ताला तोड़कर स्कूल के कमरे में रखें बेस कीमती कंप्यूटर यूपीएस बैट्री सीपीयू भारत गैस सिलेंडर बर्तन लाखों रुपए का सामान पर चोरों ने किया हाथ साफ, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका यासमीन बेगम रोज की तरह जब सोमवार की सुबह विद्यालय पहुंची तो स्कूल के पांच कमरों के ताले टूटे मिले, चोरी की सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन पर दर्ज कर दी गई, शिक्षा के मंदिर को भी चोरों ने नहीं बक्शा विद्यालय मे रखे लाखों के सामान को चोरी कर ले गए।

जाखलौन स्टेशन व रेलखंड का रेल संरक्षा आयुक्त ने किया सघन निरीक्षण

रेल खण्ड का निरीक्षण करते अधिकारी

● तीसरी लाइन परियोजना में सुरक्षा, तकनीक और धरोहर संरक्षण पर विशेष जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना तीसरी लाइन परियोजना के अंतर्गत जाखलौन रेलवे स्टेशन एवं जाखलौन-धौर्रा रेलखंड का रेल संरक्षा आयुक्त (पूर्वोत्तर क्षेत्र) प्रणजीव सक्सेना द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) राजकुमार वानखेड़े, मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जाखलौन स्टेशन परिसर, ओएफसी रूम, एएसएम रूम एवं रिले रूम का बारीकी से अवलोकन किया गया। रेल संरक्षा आयुक्त ने सुरक्षा मानकों, सिग्नलिंग व्यवस्था एवं संचालन प्रणाली की गहन समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही जाखलौन-धौर्रा रेलखंड पर स्थित लेवल क्रॉसिंग (एलसी) गेट, ट्रैक एवं अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने ट्रैक की गुणवत्ता, संरक्षा व्यवस्था एवं संचालन की दक्षता का परीक्षण कर परियोजना के मानकों को परखा। निरीक्षण के दौरान आधुनिक तकनीक के उपयोग पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस रेलखंड में ट्रैक पर पैडिंग की उन्नत तकनीक अपनाई गई है, जिससे ट्रेनों के संचालन के दौरान कंपन में कमी आती है और आसपास स्थित ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण सुनिश्चित होता है। इसी क्रम में बिलमोरी (चांदपुर) स्थित प्राचीन बेलमणि जैन मंदिर सहित अन्य धरोहर स्थलों का भी अवलोकन किया गया, ताकि रेल परियोजना के चलते इन पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इस अवसर पर सीएसआईआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.नसीम अख्तर भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि यह निरीक्षण तीसरी लाइन परियोजना को सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण व धरोहर अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भागवत कथा श्रवण से मिलती है जन्म जन्मांतर के पुण्यों की फलश्रुतिः पं. बृजनंदन शास्त्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के छमनीखेड़ा गांव में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। कथा व्यास पं. बृजनंदन शास्त्री ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने का अवसर हर किसी को नहीं मिलता। इसके लिए कई जन्मों के पुण्य कर्मों का संचित फल होना जरूरी है। उन्होंने समझाया कि किसी भी शुभ कार्य से पहले मन का तैयार होना आवश्यक है। जब मन तैयार होता है तभी कार्य की दिशा और व्यवस्था अपने आप बनने लगती है। भागवत कथा भी उसी श्रेणी का दिव्य आयोजन है। इसमें बैठने और सुनने की प्रेरणा भी ईश्वर की कृपा से मिलती है। कथा के दौरान उन्होंने भगवान की भक्ति, सत्कर्म और मानव जीवन के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके विचारों को सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। पूरा पंडाल भक्ति रस में डूबा नजर आया। कथा व्यास ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि गांव के लोगों ने मिलकर बहुत ही सुंदर और अनुशासित व्यवस्था की है। यह सामूहिक सहयोग और आस्था का श्रेष्ठ उदाहरण है। आयोजन समिति के संरक्षक केशव प्रसाद तिवारी ने बताया कि कथा का आयोजन 4 अप्रैल तक दोपहर तीन बजे से प्रतिदिन जारी रहेगा। उन्होंने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों से कथा श्रवण कर पुण्य लाभ लेने की अपील की। इस आयोजन को सफल बनाने में गुड्डू तिवारी, दीपू तिवारी, बसंत तिवारी, हेमंत तिवारी, गौरव, अनूप तिवारी, रतन तिवारी, बच्चू, प्रमोद, धनंजय, अंजनी तिवारी और रविशंकर उर्फ टेनी सहित समस्त ग्रामीणों का सराहनीय योगदान है। इस मौके पर ग्राम प्रधान ऋतुराज सिंह, बच्चू भैया, रज्जन तिवारी, आनंद, मोनू, सत्यम तिवारी, लाला, नेहा, ज्योती, रूचि, प्राची सहित आस पास के तमाम ग्रामवासी मौजूद रहे।

दबंग पड़ोसी ने बुरी नीयत से घर में अकेली महिला के साथ किया छेड़छाड़ विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी..

रायबरेली... गुरबख्श गंज थाना क्षेत्र के पूरे दुनिया मजरे कोरिहर की सुमन पत्नी राधे ने बताया कि मेरे पति बाहर मेहनत मजदूरी के वास्ते रहते हैं मैं घर में अकेली रहती हूं इसी का फायदा उठाते हुए आज दोपहर जब मैं खाना बना रही थी तब गांव के ही दबंग किस्म के युवक अमरदेव पुत्र गंगा मुझे अकेली पाकर बुरी नीयत से घर में घुसकर छेड़खानी करने लगा मैंने अपने बचाव में विरोध करते हुए शोर मचाया आवाज सुनकर मोहल्ले के काफी लोग घर की ओर आने लगे लोगों को घर की ओर आता देख अमर देव ने मुझे बद्दी बद्दी गलियां देते हुए भाग निकला और कहा कि तुझे जान से मार देंगे डरी सहमी सुमन गुरबक्श गंज थाने में आरोपी के खिलाफ बुरी नीयत से छेड़खानी तथा जान से मारने की धमकी की तहरीर दी है और कहा है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार करके कानूनी कार्यवाही की जाए मुझे आरोपी की धमकी से अपने जान और माल का खतरा लग रहा है।

संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान की द्वितीय अंतरविभागीय बैठक संपन्न

● सीडीओ ने दिए सख्त निर्देश, वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए समन्वित कार्रवाई पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बैठक में अधिकारियों से वार्ता करते सीडीओ

ललितपुर। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के प्रथम चरण को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान की अध्यक्षता में द्वितीय अंतरविभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत सीएमओ के प्रस्तावना संबोधन से हुई, जिसमें बताया गया कि वर्ष 2026 के इस प्रथम चक्र में सभी विभागों के समन्वय से संचारी एवं वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु व्यापक गतिविधियां संचालित की जाएंगी तथा जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी अनिल क्रिस्टोफर मैसी ने जानकारी दी कि सभी विभागों के माइक्रोप्लान तैयार कर लिए गए हैं और संबंधित विभागों को तिथिवार व क्षेत्रवार कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी-लार्वा दवा उपलब्ध करा दी गई है तथा हाईरिस्क क्षेत्रों की सूची भी विभागों को सौंप दी गई है, जहां लार्वासाइड छिड़काव, फॉगिंग, नालियों की सफाई एवं जलभराव निस्तारण जैसे कार्य किए जाएंगे।

पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डा. सौरभ सक्सेना ने आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए हीट वेव से बचाव के उपाय बताए और बताया कि संभावित रोगियों का डेटा आशा कार्यकर्ताओं द्वारा ई-कवच पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। अध्यक्षता करते हुए सीडीओ ने निर्देश दिए कि पिछले अभियानों में पाई गई कमियों को दूर करते हुए इस बार सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें। उन्होंने नगर क्षेत्रों में नगर विकास विभाग तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज विभाग को वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम हेतु शत-प्रतिशत लक्ष्य के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, जिससे जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। बैठक में स्वास्थ्य, बेसिक शिक्षा, कृषि, पशुपालन, पंचायती राज, नगर विकास, बाल विकास एवं पुष्टाहार, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, माध्यमिक शिक्षा विभाग सहित जनपद के समस्त चिकित्सा अधीक्षक, मलेरिया अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा सदनशाह के 108वें उर्स का आज होगा आगाज

● सजेगी मुशायरे की महफिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जनपद की गंगा-जमुनी तहजीब के केन्द्र और विख्यात सूफी संत हजरत बाबा सदनशाह रहमतुल्लाह अलैह का 108वां सालाना उर्स अपने पूरे शबाब पर है। आज रात से इस रूहानी सफर का आगाज एक विशाल ऑल इंडिया मुशायरे से होने जा रहा है। 1 अप्रैल से कब्बालियों का दौर शुरू होगा। 4 अप्रैल को सामूहिक विवाह (इज्तिमाई निकाह) के साथ संपन्न होगा।

शिरकत करेंगे देश के मशहूर फनकार

उर्स कमेटी के जनरल सेकेट्री मोहम्मद नसीम ने बताया कि आज होने वाले मुशायरे में दुनिया के नामचीन चेहरों का जमावड़ा रहेगा। मुशायरे में अपनी शायरी का जादू बिखेरने के लिए शिरकत कर रहे हैं जिसमें शायरशकील आजमी (मुंबई) मशहूर फिल्म गीतकार, नदीम देवबंद प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय शायर, हाशिम फिरोजावादी अपनी खास शैली के लिए प्रसिद्ध। इब्राहीम अली जीशान (जयपुर) राजस्थान की बुलंद आवाज, कमर अब्बास (लखनऊ) अदबी शहर लखनऊ के नुमाइंदा शायर डा.जलीलुर्रहमान (बुरहानपुर) संजीदा शायरी के हस्ताक्षर मुकेश आलम (लुधियाना, पंजाब) पंजाबी और उर्दू का संगम, मोहन मुन्तजिर (नैनीताल) वादियों की ताजी हवा जैसे कलाम, इस्माइल नजर (देवास) मालवा के मशहूर शायर। असरार चंदेरवी बुंदेलखंड की शान, शाहनवाज असीमी (उज्जैन, रूहानी कलाम के माहिर नूर धौलपुरी (धौलपुर) जज्बाती शायरी के फनकार, निजामत अल्तमस अब्बास उभरते हुए युवा शायर। अबरार दानिश (मोहदा) अपनी बेबाक शायरी के लिए जाने जाते हैं। कन्वीनर करीम असर ललितपुर रहेंगे।

बाबा सदनशाह की दरगाह कव्वाली और रूहानी रस्में

मुशायरे के बाद 1 अप्रैल से 3 अप्रैल तक कव्वालियों का सिलसिला चलेगा। आज मुंबई के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त टीवी सिंगर जुनैद सुल्तानी अपनी रूहानी आवाज में सूफियाना कलाम पेश करेंगे। देशभर से आने वाले जायरीन बाबा की दरगाह पर जियारत कर मन्नतें मांगेंगे।

तीस जोड़ों का होगा निकाह

जब इज्तिमाई शादियां (सामूहिक विवाह) आयोजित की जाएंगी। अब तक 30 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। कमेटी के सदर ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समस्त जनपदवासियों से सहयोग की अपील की है।

शौच को गए युवक पर तेंदुए ने किया हमला

आधे घंटे तक तेंदुए से भिड़ा युवक, गंभीर घायल

तालबेहट। जखोरा क्षेत्र के बादीवर गांव में रविवार शाम एक युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया। युवक ने साहस दिखाते हुए काफी देर तक तेंदुए से संघर्ष किया, लेकिन हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से गांव और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार रामसजीवन यादव (32) पुत्र जगराम सिंह निवासी बादीवर रविवार शाम करीब 7 बजे शौच के लिए सड़क किनारे जंगल की ओर गए थे। उसी दौरान जंगल के पास घात लगाए बैठे तेंदुए ने अचानक उन पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि युवक ने करीब आधे घंटे तक हिम्मत के साथ तेंदुए से मुकाबला किया। इस दौरान तेंदुए ने उनके शरीर पर कई गहरे घाव कर दिए। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह घायल युवक को बचाकर उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। लोगों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने और इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

घायल का उपचार कराते परिजन

कार्यालय ग्राम पंचायत गलरिया विकासखंड हलिया मिर्जापुर

पत्रांक: मेमो/sBm रा वि अ. /के.वि.अ./ मनरेगा व अन्य मद /2026-27 दिनांक01/04/2026

अल्पकालीन निविदा

कार्यालय ग्राम पंचायत गलरिया विकासखंड हलिया जनपद मिर्जापुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत बहुउद्देशीय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (पेज-2) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंन्धन योजना वित्तीय वर्ष 2026 -27 मे निम्नलिखित कार्य आर जी एस ए /एस.बी.एम /15 वा वित्त/ पचंम वित्त/ मनरेगा की धनराशि से होना प्रस्तावित है7 निविदा दिनांक 01/04/ 2026 से 04/04/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत गलरिया मे निविदा शुल्क जमा कर प्राप्त करें एवं सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी दरें सील बंद लिफाफे में उक्त तिथियां को कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं निविदा दिनांक 04/04/2026 को दिन में 1130:00 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में गठित समितिके द्वारा खोली जाएगी जिसमें आपूर्ति की जाने वाली सामग्री ईट,गिट्टी, बालू, सरिया ,सीमेंट, ई -रिक्शा आयरन गेट ,पत्थर, मिट्टी ,आयरन सेट, इलेक्ट्रिक, एवं प्लंबरिंग सामग्री और अन्य सामग्री सहित आवश्यक सामग्री प्राक्कलन के अनुसार 1-नियम व शर्ते उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फार्मो द्वारा वेद प्रमाण पत्र दिखाने एवं जीएसटी की छाया प्रति संकलन करने पर ही निविदा डाली जाएगी सामग्री की आपूर्ति निश्चित समय सीमा में गुणवत्ता के अनुरूप किया जाना है तभी भुगतान संभव है निविदा के साथ 100 का स्टांप पेपर संलग्न करना आवश्यक है निविदा स्वीकृत और सुकृत करने का अधिकार गठित समिति में निहित होगा।

गुलाब पटेल
ग्राम प्रधान

मनोज कुमार
सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत महेशपुर विकासखंड हलिया मिर्जापुर

पत्रांक: मेमो/sBm रा वि अ. /के.वि.अ./ मनरेगा व अन्य मद /2026-27 दिनांक01/04/2026

अल्पकालीन निविदा

कार्यालय ग्राम पंचायत महेशपुर विकासखंड हलिया जनपद मिर्जापुर में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत बहुउद्देशीय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (पेज-2) के अंतर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंन्धन योजना वित्तीय वर्ष 2026 -27 मे निम्नलिखित कार्य आर जी एस ए /एस.बी.एम /15 वा वित्त/ पचंम वित्त/ मनरेगा की धनराशि से होना प्रस्तावित है7 निविदा दिनांक 01/04/ 2026 से 04/04/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय पंचायत महेशपुर मे निविदा शुल्क जमा कर प्राप्त करें एवं सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी दरें सील बंद लिफाफे में उक्त तिथियां को कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं निविदा दिनांक 04/04/2026 को दिन में 11:30 बजे उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय में गठित समितिके द्वारा खोली जाएगी जिसमें आपूर्ति की जाने वाली सामग्री ईट,गिट्टी, बालू, सरिया ,सीमेंट, ई -रिक्शा आयरन गेट ,पत्थर, मिट्टी ,आयरन सेट, इलेक्ट्रिक, एवं प्लंबरिंग सामग्री और अन्य सामग्री सहित आवश्यक सामग्री प्राक्कलन के अनुसार 1-नियम व शर्ते उपरोक्त सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फार्मो द्वारा वेद प्रमाण पत्र दिखाने एवं जीएसटी की छाया प्रति संकलन करने पर ही निविदा डाली जाएगी सामग्री की आपूर्ति निश्चित समय सीमा में गुणवत्ता के अनुरूप किया जाना है तभी भुगतान संभव है निविदा के साथ 100 का स्टांप पेपर संलग्न करना आवश्यक है निविदा स्वीकृत और सुकृत करने का अधिकार गठित समिति में निहित होगा।

सुनीता देवी
ग्राम प्रधान

सचिव
सौरभ यादव

संक्षिप्त खबरें

सिद्धार्थनगर में पुरानी रंजिश में युवक को मारा चाकू, हालत गंभीर, प्राथमिकी दर्ज

सिद्धार्थनगर। जिले के पथरा बाजार थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक युवक पर चाकू से हमला किया गया। बसडीला मोदीनानकार गांव में पुरानी रंजिश के चलते हुए इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। गांव निवासी अशफाक पर उसी गांव के समीर अहमद अंसारी ने रविवार की रात हमला किया। बताया जाता है कि आरोपी पहले अशफाक के घर पहुंचा और उसके बारे में पूछताछ की। इसके बाद वह वापस चला गया और गांव के पोखरे के पास घात लगाकर अशफाक पर अचानक हमला कर दिया। आरोपी ने अशफाक के पेट पर कई वार किए, जिससे उसकी आंतें बाहर आ गई। वह मौके पर ही गिर पड़ा। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल इलाज के लिए बस्ती के एक निजी अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने अशफाक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे रेफर कर दिया। कृष्णा मिशन हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने बताया कि उसकी स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी समीर अहमद अंसारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई है और आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो पक्षों में मारपीट तीन जख्मी

चुनार, मीरजापुर। कोतवाली क्षेत्र के कुसम्ही गांव में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट में तीन लोग जख्मी हो गए , जिसमें एक की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना सोमवार की सुबह की बताई जा रही है। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुनार में भर्ती कराया गया। पीएससी के चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर स्थित बेहतर होने पर दो घायलों को छुट्टी दे दी है। ग्रामीणों ने बताया कि कुसम्ही गांव निवासी कन्हैया शर्मा पुत्र मिठाई शर्मा के जमीन में से विपक्षी रास्ता निकाल रहा था। मना करने पर दोनों पक्ष आक्रोशित हो कर दोनों पक्ष के बीच मारपीट होने लगी। मारपीट के दौरान एक पक्ष के कन्हैया शर्मा 45 वर्ष एवं उनकी पत्नी परम शीला 40 वर्ष व पुत्र रोहित शर्मा 21 वर्ष घायल हो गए जिसमें कन्हैया शर्मा की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा विपक्षियों को पकड़ कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

अनियंत्रित कार ने पैदल जा रहे दो लोगों को मारी टक्कर

जिसमें एक किशोर की मौत, दूसरा ट्रामा सेण्टर रेफर

हलिया, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के लालगंज हलिया मार्ग पर बरी गाँव में सोमवार को तीन बजे दिन अनियंत्रित कार के टक्कर से पैदल जा रहे एक किशोर की मौत हो गयी कार के टक्कर से आगे जा रहा दूसरा व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गया ग्रामीणों की सूचना पर एम्बुलेंस से घायल को हलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहाँ चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेण्टर रेफर कर दिया है। हलिया गाँव निवासी इश्माल का 15 वर्षीय पुत्र मुक्तार मुहम्मद किसी काम से बरी गाँव गया था जहाँ से लौट रहा था कि मीरजापुर की तरफ से आ रही अनियंत्रित क्रेटा कार ने पीछे से टक्कर मार दिया जिससे किशोर की घटना स्थल पर मौत हो गयी वही आगे पैदल चल रहे हलिया? कस्बा निवासी राहुल 19 वर्ष को टक्कर मारते हुए आगे खडी बसुहरा गाँव निवासी शिवचरन की बाइक को टक्कर मारते हुए कार चालक ने गाड़ी को थाने पर खडी कर दिया है सूचना पर पहुचे थाना अध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने घटना स्थल का मुआयना करते हुए शव को पीएम के लिये भेज दिया है मृतक अकेला लडका था । पिता श्माइल मौत की सूचना पर बेहोश हो गये माता इश्वरी का रो रो कर बुरा हाल है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को प्रभावी बनाने हेतु जिला पंचायत में बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल। जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को जन आन्दोलन बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुरू किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विभिन्न विभागों को सौंपे गए दायित्वों का कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वित करने के उद्देश्य से मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति की अध्यक्षता में जिला पंचायत में बैठक सम्पन्न हुई। सीईओ जिला पंचायत ने निर्देश दिए कि गांव-गांव में जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने जन अभियान परिषद को निर्देश दिए कि दीवार लेखन, रैली, संगोष्ठी आदि का आयोजन कर श्रमदान के माध्यम से जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन संरचनाओं का निर्माण एवं पुराने जल स्त्रोंतों का जीर्णोद्धार पर विशेष ध्यान दिया जाए। वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विभाग एवं वन समितियों के माध्यम से बोल्डर चेकडेम, कन्टूरट्रेंच , परकुलेशन टैंक तथा नए तालाबों का निर्माण एवं पुरानी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार कार्य प्राथमिकता से करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को आंगनवाड़ी केन्द्रों में रूफ हार्वेस्टिंग संरचना बनाने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा विभाग डीपीसी तथा जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को अभियान चलाकर पानी की टंकियों की सफाई करने, स्कूलों में पेयजल की व्यवस्था करने तथा रूफ हार्वेस्टिंग संरचना बनाने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यात्रिकी विभाग को हैण्डपंपों के आस-पास साफ-सफाई एवं सोख पिट बनाने स्कूल, छात्रावास तथा अस्पतालों में पेयजल की टेस्टिंग करने तथा जल समितियों का गठन कर पंप ऑपरेटरों, जल समितियों के सदस्यों एवं जन अभियान परिषद की समितियों को पानी टेस्टिंग एवं नल जल संधारण के प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए।

जल संसाधन विभाग को लघु सिंचाई योजनाओं, नहरों की मरम्मत, स्टॉप डैम, बैराज आदि के गेट की मरम्मत के साथ ही जल संरचनाओं के आस पास के अतिक्रमण हटाने तथा जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उद्यानिकी विभाग को माईक्रों एरिगेशन क्षेत्र के विस्तार एवं जल चौपाल तथा कार्यशालाओं का आयोजन कर जन जागरूकता लाने के निर्देश दिए। इसी तरह किसान कल्याण विभाग को नए बलराम तालाबों का निर्माण तथा पुराने बलराम तालाबों की डिसिल्टिंग कर पुनः उपयोगी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा ने आयोजित की दो दिवसीय कार्यशाला

हलिया मीरजापुर। हलिया विकास खंड के गलरा गांव स्थित पंचायत भवन में भारतीय जनता पार्टी गड़बड़ा मंडल द्वारा सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, सांगठनिक संरचना और आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित और ऊर्जावान बनाने पर जोर दिया गया। पूर्व जिलाध्यक्ष बालेन्दु मणि त्रिपाठी द्वारा भाजपा का इतिहास व वैचारिक अधिष्ठान बारे में बताया । भाजपा जिला मंत्री स्वामी नाथ सिंह ने कार्य पद्धति बारे में बताया। जिला उपाध्यक्ष गौरव उमर ने संगठन का विस्तार व सुदृढ़ीकरण बारे में बताया। इस दौरान विपुल सिंह ज्ञानेश्वर दुबे मिथिलेश सिंह जयप्रकाश तिवारी संजय तिवारी कुलदीप सरोज धीरज केसरी सौरभ प्रजापति आदि मौजूद रहे।

'नहीं दूंगा, जो करना है कर लो', सिलेंडर मांगने पर एजेंसी मैनेजर ने युवक के साथ की हाथापाई, दर्ज हुई शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल (मध्य प्रदेश): प्रदेश में एलपीजी सिलेंडरों की किल्लत और डिलीवरी में हो रही देरी अब विवादों का कारण बनने लगी है। ताजा मामला शहडोल जिले के जयसिंहनगर का है, जहां एक एचपी गैस एजेंसी (अमझोर) पर सिलेंडर की जानकारी लेने पहुंचे युवक के साथ मैनेजर द्वारा अभद्रता करने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक अभिजीत कुमार यादव जब अपनी बुकिंग के बावजूद सिलेंडर न मिलने की शिकायत लेकर एजेंसी पहुंचे, तो वहां हंगामा खड़ा हो गया। युवक का आरोप है कि उसे सिलेंडर डिलीवर होने का मैसेज तो मिल गया था, लेकिन असल में गैस नहीं दी गई थी। जब उसने इस पूरी प्रक्रिया का वीडियो बनाना शुरू किया, तो मैनेजर अपना आपा खो बैठा। वीडियो में मैनेजर को साफ तौर पर यह कहते सुना जा सकता है कि, 'तू वीडियो बना, तुझे जहां भेजना है भेज दे, मैं तुझे गैस नहीं दूंगा। मैनेजर ने युवक को धमकी देते हुए वीडियो रिकॉर्डिंग बंद करने की कोशिश की।

पीड़ित ने पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत

अभिजीत यादव के अनुसार, जब उन्होंने सिलेंडर मिलने का समय पूछा, तो मैनेजर ने न केवल बदतमीजी की बल्कि कैमरा नीचे करने का दबाव बनाते हुए मोबाइल छीनने और हाथापाई करने लगे. पीड़ित युवक ने इस घटना की लिखित शिकायत जयसिंहनगर थाने में दर्ज कराई है। युवक ने घटना का वीडियो साक्ष्य के रूप में पुलिस को सौंप दिया है।

घटना ने गैस वितरण प्रणाली पर उठाए सवाल

मध्य प्रदेश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें आ रही हैं, जहां समय पर डिलीवरी न होने के कारण एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ जमा हो रही है। इस घटना ने एक बार फिर गैस वितरण प्रणाली और एजेंसी प्रबंधकों के व्यवहार पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली पुलिस ने पीएचक्यू में पिप्पिंग सेरेमनी का आयोजन किया: रिटायरमेंट पर 145 कर्मियों को मानद रैंक से सम्मानित किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: स्थित पुलिस मुख्यालय के 'आदर्श ऑडिटोरियम' में एक भव्य 'पिप्पिंग सेरेमनी' का आयोजन किया गया। इस समारोह में, 'मानद रैंक पदोन्नति योजना' (मानद रैंक पदोन्नति योजना) के तहत रिटायर हो रहे 145 पुलिस कर्मियों को मानद रैंक से सम्मानित किया गया। दिसंबर में इस पहल की शुरुआत होने के बाद से, यह इस तरह का चौथा समारोह था।?इस समारोह की अध्यक्षता दिल्ली के पुलिस कमिश्नर, श्री सतीश गोलछा (आईपीएस) ने की। उन्होंने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर, रिटायर हो रहे पुलिस कर्मी जो कांस्टेबल से लेकर सब-इंस्पेक्टर रैंक तक के थे उनको अगले उच्च मानद रैंक के बैज लगाकर औपचारिक रूप से सम्मानित किया।अपने संबोधन में, दिल्ली के पुलिस कमिश्नर ने समारोह में उपस्थित दिल्ली पुलिस परिवार के सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि रिटायर हो रहे कर्मियों और उनके परिवारों के चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी और गर्व, हमें और भी अधिक मेहनत और लगन से काम करने के लिए प्रेरित करता है और हमारे साहस व संकल्प को और भी मजबूत बनाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रिटायरमेंट का मतलब दिल्ली पुलिस के साथ उनके जुड़ाव का अंत नहीं है; वे हमेशा पुलिस परिवार का एक अभिन्न अंग बने रहेंगे। आगे बोलते हुए, दिल्ली के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि आज ये पुलिस कर्मी एक गौरवशाली सेवा देने के बाद रिटायर हो रहे हैं। पुलिस की नौकरी केवल एक 'जॉब' (काम) नहीं है, बल्कि यह वास्तव में एक 'जुनून' है—एक ऐसा जुनून जो 35-40 वर्षों की सेवा के दौरान, लंबे-लंबे घंटों तक कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने पुलिस कर्मियों के परिवारों द्वारा दिए गए बलिदानों की भी सराहना की, विशेष रूप से उस समय घर-परिवार की जिम्मेदारियों को संभालने के लिए, जब पुलिस कर्मी अपनी कठिन और व्यस्त ड्यूटी में लगे रहते हैं। रिटायर हो रहे पुलिस कर्मियों को राष्ट्र और समाज की सेवा में रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रूप से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया। दिल्ली के पुलिस कमिश्नर ने उनके रिटायरमेंट के बाद के जीवन के लिए भी उन्हें स्वस्थ, सुखी और संतोषजनक जीवन की शुभकामनाएं दीं।जिन कर्मियों को मानद रैंक से सम्मानित किया गया, उनमें शामिल थे: हेड कांस्टेबल से असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर एएसआई) बनने वाले 10 कर्मी; असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर ए एस आई से सब-इंस्पेक्टर बनने वाले 38 कर्मी। और सब-इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बनने वाले 97 कर्मी।

दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ, रिटायर हो रहे पुलिस कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों ने भी इस समारोह में शिरकत की, जिससे यह अवसर और भी अधिक यादगार बन गया।

पत्रकार रवि गर्गवंशी रवि शुक्ल की अवैधानिक गिरफ्तारी व उत्पीड़न के विरोध में पत्रकारों का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। जनपद में पत्रकारों ने एकजुट होकर पत्रकार रवि गर्गवंशी रवि शुक्ल की अवैधानिक गिरफ्तारी व उत्पीड़न और पत्रकारों के सम्मान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कथित हमले के खिलाफ जनपद गोंडा में पत्रकारों का आक्रोश खुलकर सामने आया। द जर्नलिस्ट एसोसिएशन (पत्रकार संगठन), जनपद गोंडा के बैनर तले शनिवार को पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त देवीपाटन मंडल गोंडा एवं आईजी देवीपाटन रेंज गोंडा को ज्ञापन सौंपकर पत्रकार की ससम्मान रिहाई व दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ ही न्याय की मांग की है।संगठन के जिलाध्यक्ष एमडी मौर्य के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में पत्रकार पवनदेव सिंह, लखनलाल मिश्रा, अमरेश प्रजापति, महेश गोस्वामी, कुलदीप शुक्ल, कांशीराम मौर्य, अनुराग मिश्र, सुधीर पाण्डेय, वीरेंद्र तिवारी, अंकज मिश्र, सलीम अहमद खान, सुधीर तिवारी, श्यामफूल तिवारी, खुशबू कनौजिया, ज्ञान प्रकाश चौहान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि पत्रकार रवि गर्गवंशी उर्फ रवि प्रकाश शुक्ल निवासी बलरामपुर को दिल्ली पुलिस द्वारा कथित रूप से अवैधानिक तरीके से गिरफ्तार कर तिहाड़ जेल भेजा गया तथा उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया,जो बेहद निंदनीय और चिंताजनक है। पत्रकारों ने इसे न केवल एक व्यक्ति विशेष पर कार्रवाई बताया, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला करार दिया। पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार समाज सदैव निष्पक्ष और निर्भीक होकर जनहित के मुद्दों को उठाता है। ऐसे में किसी पत्रकार के साथ इस प्रकार की कार्रवाई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का प्रयास है, जिससे पूरे पत्रकार समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल बन रहा है। ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने तीन प्रमुख मांगें रखीं गई हैं कि पत्रकार रवि गर्गवंशी (रवि शुक्ल) की ससम्मान रिहाई कराकर प्रकरण

की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए, अवैधानिक गिरफ्तारी में संलिप्त दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और पीड़ित पत्रकार को न्याय दिलाया जाए भविष्य में पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने हेतु ठोस दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। पत्रकारों ने प्रशासन को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान सभी पत्रकारों ने एकजुटता दिखाते हुए लोकतंत्र और प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा का संकल्प दोहराया।

दिल्ली सरकार ने गोशालाओं के लिए जारी किए 20.26 करोड़ रुपये, लाइसेंस नवीनीकृत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के चार गोशालाओं के लंबे समय से लंबित लाइसेंस और लीज समझौते को नवीनीकृत कर दिया है। मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गोशालाओं के प्रतिनिधियों को लीज एक्सटेंशन समझौते के प्रमाणपत्र प्रदान किए। गोशालाओं के बकाया भुगतान के साथ ही आधुनिक बायोगैस का आधारभूत ढांचा स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता भी दी गई।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार की पशुपालन इकाई के अंतर्गत चल रही चार गोशालाओं सुल्तानपुर डबास, रेवला खानपुर, हरेवली और सुरहेड़ा के प्रतिनिधियों को चारा भुगतान और बकाया राशि के 20.26 करोड़ रुपये दिए। इसमें 7.64 करोड़ रुपये जून 2024 से मार्च 2025 तक के बकाया भुगतान के लिए और 12.62 करोड़ रुपये अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक के चारे के खर्च के लिए दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य शीघ्र ही 40 गोशालाओं में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। प्रथम चरण में 10 आधुनिक गोशालाओं के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। गोवंश की सेवा में किसी भी वित्तीय या प्रशासनिक बाधा को आड़े नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि गोशालाओं का उचित प्रबंधन केवल सरकारी बजट से नहीं, बल्कि सरकार और समाज के बीच निरंतर सहयोग और मानवीय संवेदनाओं के मेल से ही संभव है।

महिला संबंधी अपराध में लिप्त अभियुक गिरफ्तार

चुनार, मीरजापुर। रविवार को कोतवाली में एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादिनी के घर में घुसकर छेड़खानी, अश्लील हरकत करने तथा घर के सामान में तोड़फोड करते हुए गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर अपर्णा रजत कौशिक पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त महिला सम्बन्धित अपराध की घटना को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक चुनार को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना चुनार पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में सोमवार को उप निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर ग्राम धौरहरा से नामजद अभियुक्त अमित साहनी पुत्र पंचम साहनी निवासी सराय टेकउर थाना चुनार को जेल भेजा गया।

डस्टबिन में मिले जुड़वां बच्चियों के शव, आरोपी डॉक्टर गिरफ्तार: बलिया के पूर्वांचल अस्पताल कांड में बड़ी कार्रवाई

● **ऑपरेशन के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत के मामले में फरार चल रहे डॉक्टर को पुलिस ने दबोचा, अस्पताल पहले ही हो चुका है सील**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया जनपद के चर्चित पूर्वांचल अस्पताल कांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉक्टर आदित्य सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था। सोमवार को पुलिस ने उसे पकड़कर मेडिकल परीक्षण के बाद कोतवाली लाकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। यह मामला 14 मार्च का है, जब महिला अस्पताल रोड स्थित पूर्वांचल अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान एक प्रसूता और उसकी जुड़वां बच्चियों की मौत हो गई थी। मृतका की पहचान दुबहड़ थाना क्षेत्र के रामपुर बोहा गांव निवासी 28 वर्षीय रिंकू यादव के रूप में हुई थी।

परिजनों का आरोप- लापरवाही से गई जान

मृतका के पति सोनू यादव ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन को पहले ही रिंकू की गंभीर स्थिति, खासकर कम रक्तचाप के बारे में जानकारी दी गई थी। इसके बावजूद डॉक्टरों ने ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद दोनों नवजात बच्चियों को मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, प्रसूता की हालत बिगड़ने पर उसे मऊ रेफर किया गया, जहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डस्टबिन में मिले नवजातों के शव, मचा हड़कंप

घटना के बाद अस्पताल में हंगामा शुरू हो गया। जब परिजनों को नवजात बच्चियों के शव नहीं सौंपे गए, तो उन्होंने खुद तलाश शुरू की। इसी दौरान अस्पताल के बाथरूम के पास डस्टबिन में दोनों बच्चियों के शव मिलने से सनसनी फैल गई।

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने पूर्वांचल अस्पताल को सील कर दिया था। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) द्वारा पांच सदस्यीय जांच टीम का गठन कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस कार्रवाई जारी

पुलिस ने मृतका के पति की तहरीर पर आरोपी डॉक्टर आदित्य सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। गिरफ्तारी के बाद अब आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर अन्य जिम्मेदार लोगों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

वार्षिक परीक्षा अंक पत्र व पुरस्कार पाकर बच्चे हुए खुश

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास क्षेत्र के न्याय पंचायत मड़वा के प्राथमिक विद्यालय नहरी में सोमवार को शारदा संगोष्ठी, वार्षिक परीक्षा फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को हुआ। वार्षिक परीक्षा अंक पत्र , मेडल व पुरस्कार पाकर बच्चे खुश हुये। मुख्य अतिथि न्याय पंचायत के कम्पोजिट विद्यालय मगलवा प्रधानाध्यापिका व न्याय पंचायत की वरिष्ठ शिक्षिका गायत्री देवी ने बच्चों को वार्षिक परीक्षा अंक पत्र देते हुये बच्चों व अभिभावकों से कहा कि अगर आप चाहते हैं बच्चा अच्छी पढ़ाई लिखाई करके कुछ बन जायें तो वे बच्चों के आगे कक्षा की पढ़ाई जरूर जारी रखें। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को समाज में शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी साझा किया। मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण,पुष्प अर्पित व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शारदा संगोष्ठी व वार्षिक परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम भी पेश किया।

इस दौरान विद्यालय प्रधानाध्यापक बजरंगी, कविता, वीरेंद्र, विनीता मिश्रा, जय प्रकाश आदि लोग मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में 141 नव-नियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ के लोक भवन सभागार में आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण, आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय,गोदाम के लोकार्पण,शिलान्यास किया गया जिसका सजीव प्रसारण जनपद मुख्यालय स्थित अंबेडकर सभागार में देखा गया, इस दौरान जिले की 141 नव-नियुक्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। साथ ही जनपद में करोड़ों की लागत से बने आंगनबाड़ी केंद्रों और गोदामों का लोकार्पण व शिलान्यास भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद पूर्व बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री व इटवा विधानसभा के पूर्व विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में महिला व बाल कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन देकर तकनीकी रूप से सशक्त बनाया जा रहा है, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे पात्रों तक पहुंच सकें।

भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता हर बच्चे को उसके घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा देना है। इसी कड़ी में जनपद में 45 नए आंगनबाड़ी केंद्र भवनों का लोकार्पण, 3 केंद्रों का शिलान्यास और 5 बाल विकास परियोजना कार्यालय सह गोदाम की आधारशिला रखी गई है। उन्होंने नवनियुक्त सहायिकाओं से बच्चों के सर्वांगीण विकास और पुष्टाहार वितरण में पारदर्शिता बरतने की अपील की।

सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल ने भी सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की सराहना की, इससे पूर्व, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर सीडीओ बलराम सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, पीडी नागेंद्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधकारी राजमणि वर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी साहब यादव सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।